mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-1 अंक-108 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

19 अक्टूबर 2025 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

तीरंदाजी विश्व कप:...

@ पेज 7

धनतेरस की अनेकानेक शुभकामनाएं...

पीएम मोदी बोले मैं हर किसी के सुख, सौभाग्य और आरोग्य की कामना करता हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। धनतेरस के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि देश के मेरे सभी परिवारजनों को धनतेरस की अनेकानेक शुभकामनाएं। इस पावन अवसर पर मैं हर किसी के सुख, सौभाग्य और आरोग्य की कामना करता हूं। भगवान धन्वंतरि सबको अपना भरपूर आशीर्वाद दें। वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेताओं ने शनिवार को धनतेरस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि आप सभी को पावन पर्व धनतेरस की हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं!

पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक में 3 अफगान क्लब क्रिकेटरों सहित 14 नागरिकों की मौत

● पाक के साथ होने वाली टी-20 सीरीज से हटा अफगानिस्तान

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के हमले में अफगानिस्तान के 3 क्लब क्रिकेटर्स की मौत हो गई है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) ने इसकी पुष्टि की है। हमले में 14 अफगानी भी मारे गए हैं जबकि 16 घायल हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच 48 घंटे का सीजफायर शुक्रवार शाम 6 बजे खत्म हुआ था। इसे आगे बढ़ाने पर सहमति बन गई थी। लेकिन कुछ ही घंटे बाद पाकिस्तान ने पक्तिका प्रांत में एयर स्ट्राइक की। अफगान मीडिया टोलो न्यूज के मुताबिक, इन हमलों में उर्गुन और बर्मल जिलों के कई घरों को निशाना बनाया गया। ये इलाका दोनों देशों की बॉर्डर डूरंड लाइन के पास है।

इस घटना के जवाब में, ACB ने नवंबर में पाकिस्तान में होने वाली ट्राई टी-20 सीरीज से हटने का ऐलान किया है। ACB ने कहा कि यह कदम मारे गए क्रिकेटरों के सम्मान में उठाया गया है। टूर्नामेंट में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेने वाली थीं।

क्रिकेट मैच खेलकर लौट रहे खिलाड़ियों पर हमला हुआ- ACB ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी कर बताया कि यह हमला पक्तिका प्रांत की राजधानी शराना में एक फ्रेंडली क्रिकेट मैच खेलकर लौट रहे खिलाड़ियों कबीर, सिब्घतुल्लाह और हारून पर हुआ।

पंजाब से बिहार जा रही गरीब रथ ट्रेन में आग

सरहिंद स्टेशन के पास एसी बोगी में शॉर्ट सर्किट, सामान छोड़कर यात्री भागे, कई ट्रेनें प्रभावित

लुधियाना, एजेंसी। पंजाब के अमृतसर से बिहार के सहरसा जा रही गरीब रथ ट्रेन (12204) में शनिवार सुबह पंजाब के सरहिंद स्टेशन के पास आग लग गई। यह आग 19 नंबर AC बोगी में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। इसमें लुधियाना के भी कई व्यापारी सफर कर रहे थे।

बोगी नंबर 19 में सवार एक यात्री ने आग लगते ही ट्रेन की चेन खींच दी। इससे ट्रेन रुक गई। इसके बाद बोगी में सवार यात्री अपना सामान छोड़कर तुरंत नीचे उतरे। अफरातफरी के बीच ट्रेन से उतरने में कई यात्रियों को चोटें आई हैं। एक यात्री को ज्यादा चोट लगी है। कुछ यात्री अपने बच्चों के साथ सफर कर रहे थे। उधर, सूचना मिलते ही रेलवे, फायरबिग्रेड और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। आग में बोगी नंबर 19 पूरी तरह चल गया। 18 नंबर बोगी को भी नुकसान पहुंचा है। जली बोगी को अलग करने के बाद ट्रेन को 3 घंटे बाद अंबाला के लिए रवाना किया गया। उधर, रेलवे की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। अंबाला डिवीजन के डीआरएम भी घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे की जानकारी ली। उधर, इस घटना का असर कई अन्य ट्रेनों पर भी पड़ा है। अमृतसर शताब्दी एक्सप्रेस, गुरुमुखी सुपरफास्ट एक्सप्रेस, सचखंड एक्सप्रेस, दिल्ली इंटरसिटी, और जालंधर इंटरसिटी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों के संचालन में देरी हुई।

अंबाला मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) विनोद भाटिया ने बताया कि घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की बात सामने आई है।

दिल्ली में सांसदों के लिए बने अपार्टमेंट में आग लगी

यहां कई एमपी और उनके स्टाफ के लैट; लोग बोले- फायर बिग्रेड देरी से पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के बीडी मार्ग पर मौजूद सांसदों के लिए बने ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में शनिवार दोपहर आग लग गई। यहां पर कई राज्यसभा सांसदों और उनके स्टाफ के घर (फ्लैट) हैं। मौके पर मौजूद लोगों ने आरोप लगाया कि फायर बिग्रेड को तुरंत ही आग लगने की जानकारी दी गई थी, इसके बावजूद टीम ने आने में देरी की। वहीं, घटना पर दिल्ली फायर सर्विसेज के अधिकारियों ने बताया कि दोपहर करीब 1.22 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद फायर बिग्रेड की 6 गाड़ियों को मौके पर भेजी गई। आग बुझाई जा रही है। घटना का जो वीडियो सामने आए हैं उनमें नजर आ रहा है कि लोग यहां से वहां दौड़ रहे हैं। पुलिस लोगों को पीछ हटा रही है। अपार्टमेंट के ग्राउंड पर आग की लपटें नजर आ रही हैं। काला धुआं उठता दिख रहा है।

पंजाब डीआईजी ने 5 जगहों पर छिपाया था गोल्ड-कैश

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब पुलिस के DIG हरचरन सिंह भुल्लर ने चंडीगढ़ की कोठी में 5 जगह कैश और गोल्ड छुपा रखा था। छापा मारने गई CBI की टीम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि DIG ने बेड के अंदर कैश रखा था।

क्रॉकरी की अलमारी में भी निचले हिस्से में कैश भरा हुआ था, जिसे लॉक किया गया था। DIG ने सामान की 2 आलमारियों में सोना छिपाकर रखा था। कैश और गोल्ड को इस तरह से रखा गया था कि बाहर से देखने पर किसी को शक न हो।

DIG भुल्लर की एक महीने की सैलरी करीब 2.64 लाख रुपए बनती थी, लेकिन कैश और गोल्ड बरामदगी से पता चला कि वह लग्जरी लाइफ जी रहे थे। लुधियाना में उनके समराला फार्महाउस से जो शराब की बोतलें मिली हैं, उनमें से कई 50 हजार से ज्यादा कीमत की हैं।

CBI ने DIG भुल्लर और उनके एजेंट कृष्णु को 16 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। मंडी गोबिंदगढ़ के स्क्रैप कारोबारी आकाश बत्रा से 8 लाख रिश्वत लेते हुए पहले एजेंट कृष्णु को सेक्टर-21 से पकड़ा गया था।

राजनाथ बोले- भारत, पाकिस्तान को जन्म दे सकता है तो...

मुझे आगे बोलने की जरूरत नहीं; लखनऊ से ब्रह्मोस की पहली खेप रवाना की

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा-ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। जीत हमारी आदत है। अब इस आदत को हमें न सिर्फ बनाए रखना है, बल्कि इसे और मजबूत करना है।

उन्होंने कहा- दुश्मनों को पता चल गया है कि उसकी एक-एक इंच जमीन हमारी ब्रह्मोस की जद में है। ऑपरेशन सिंदूर में जो हुआ, वो सिर्फ ट्रेलर था। उस ट्रेलर से ही पाकिस्तान को यह एहसास हो गया कि अगर भारत उसे जन्म दे सकता है तो...आगे मुझे बोलने की जरूरत नहीं है। आप खुद समझदार हैं।

राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने लखनऊ की ब्रह्मोस एयरोस्पेस यूनिट से धनतेरस के दिन शनिवार को ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप रवाना की। इससे पहले दोनों ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस यूनिट में बूस्टर और वारहेड बिल्डिंग का उद्घाटन किया। दोनों ने सुकोई लड़ाकू विमान (स-30) के जरिए ब्रह्मोस के वर्चुअल हमले को देखा। ब्रह्मोस एयरोस्पेस यूनिट का उद्घाटन 5 महीने पहले 11 मई 2025 को हुआ था। यूनिट मिसाइल इंटीग्रेशन, टेस्टिंग और क्वालिटी एग्जामिनेशन जैसी मॉडर्न सुविधाओं से लैस है। बता दें कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूसी रक्षा कंपनी एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया की तरफ से डिजाइन की गई ब्रह्मोस ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के सैन्य बुनियादी ढांचों को तबाह कर दिया था।

अब भारत टेकर नहीं, गिवर की भूमिका में

राजनाथ सिंह ने कहा- ब्रह्मोस जैसी उपलब्धियों से मेड इन इंडिया ग्लोबल ब्रांड बन गया। अब हम फिलीपींस को ब्रह्मोस निर्यात करेंगे। यानी अब भारत टेकर नहीं, गिवर की भूमिका में आ गया है।

इस बड़ी फैसिलिटी के साथ यूपी में छोटे व्यवसायियों के लिए बड़ा मौका डेवलप हो रहा है। छोटे-छोटे पार्ट्स बड़े प्रोजेक्ट में जरूरी होते हैं इसलिए इस यूनिट से कई तरह के फायदे हैं। यूपी से ब्रह्मोस मिसाइल की डिलीवरी हो रही है। इसका जीएसटी सरकार को मिला। इस तरह से मां लक्ष्मी की कृपा सेना के साथ इकोनॉमी पर भी हो रही है। एक मिसाइल से मिलने वाली आय से सरकार कई हॉस्पिटल बना सकती है। राजनाथ ने कहा- आंतरिक या बाह्य सुरक्षा के हर मौके पर यूपी आगे है। 200 एकड़ में ब्रह्मोस की यह फैसिलिटी फैली है। यहां से हर साल 100 मिसाइलें बनेंगी। मिसाइल आर्मी को भी मिलेंगी और नेवी को भी मिलेंगी। कुछ समय पहले तक यहां गुंडाराज और लॉ एंड ऑर्डर गड़बड़ था। यह यूनिट देश की बढ़ती ताकत की पहचान है। देश के किसी भी हिस्से में ब्रह्मोस की चर्चा करते हैं तो उनके जेहन में मिसाइल के साथ विश्वसनीयता का भाव आ जाता है। बच्चे से लेकर वृद्ध तक, लड़कियों से लेकर महिलाओं तक, सबको यह विश्वास हो जाता है कि हमारे ऊपर मजबूती की छांव है। ब्रह्मोस तीनों सेनाओं की रीढ़ है।

शादी का प्रस्ताव ठुकराया तो युवक ने कॉलेज छात्रा का गला रेता

पिता की शिकायत पर पड़ोसी गिरफ्तार

बंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू में पुलिस ने 20 वर्षीय कॉलेज छात्रा की हत्या के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि कॉलेज छात्रा के शादी से इनकार करने पर मुख्य आरोपी विग्नेश (28 वर्षीय) ने कथित तौर पर गुस्से और हताशा में उसकी हत्या कर दी। आरोपी विग्नेश, पीड़िता का पड़ोसी है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता की गला रेतकर हत्या की गई और उसका शव रेलवे ट्रैक के पास से बरामद हुआ। यह घटना 16 अक्टूबर को दोपहर करीब 2.30 बजे हुई, जब फार्मेसी प्रथम वर्ष की छात्रा और स्वतंत्र पाल्या इलाके की निवासी यामिनी प्रिया कॉलेज से घर लौट रही थी।

महाराष्ट्र में अष्टम यात्रा के दौरान वाहन पलटा, 8 श्रद्धालुओं की मौत, 20 घायल

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला स्थित चंद्रशैली घाट पर शनिवार को सुबह अष्टम पर्वत यात्रा के लिए गया एक वाहन पलट गया। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि 20 यात्री घायल हुए हैं। इन सभी को तलोदा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही नंदुरबार पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत और बचाव कार्य कर रही है। इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। इसकी छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार की सुबह धनतेरस के अवसर पर श्रद्धालुओं को लेकर एक निजी मालवाहक वाहन अष्टम पर्वत यात्रा के लिए गया था। सुबह जब वाहन नंदुरबार जिले के चंदशैली घाट पर पहुँचा, तो चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन पलट गया। इस वाहन में लगभग 40 श्रद्धालु सवार थे। कई लोग वाहन के नीचे कुचले गए। इस दुर्घटना में अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 20 यात्री घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायलों को नंदुरबार जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ घायलों को तलोदा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों और घायलों में से कई नंदुरबार जिले के शहादा तालुका के भूराती और वैजली के निवासी हैं। कई घायलों की हालत गंभीर होने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि भारत में कहीं भी अश्वत्थामा के स्थान का उल्लेख नहीं है, लेकिन नंदुरबार जिले की सतपुड़ा पर्वतमाला में चार हज़ार फुट ऊँचे पर्वत पर स्थित अष्टम्ब ऋषि के नाम से उनका स्थान है। एक किंवदंती के अनुसार, शापित अवस्था में घायल अश्वत्थामा घाटी में तेल माँगते हैं और कभी-कभी रास्ते में भटके तीर्थयात्रियों का मार्गदर्शन भी करते हैं, इसलिए हर साल धनतेरस से हज़ारों भक्त दो दिनों के लिए अष्टम्ब यात्रा पर निकलते हैं।

मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र से हजारों भक्त पहाड़ की चोटी पर आते हैं, जो शूलपाणि वन के बीच लगभग 4,300 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। शिखर पर पहुंचने के बाद, वहां एक पत्थर है। भक्त इसकी पूजा करते हैं।

इंडिया ब्लॉक में खींचतान, 10 सीटों पर महागठबंधन कैंडिडेट्स आमने-सामने

● शाह बोले- लालू जंगलराज चाहते हैं ● पहले फेज का नामांकन खत्म

नई दिल्ली/पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की 121 सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया शुक्रवार को पूरी हो गई। मतदान 6 नवंबर को होगा। नामांकन खत्म होने के बाद भी महागठबंधन में सीटों की खींचतान खत्म नहीं हुई। कांग्रेस ने 48 और CPIML ने 18 कैंडिडेट के नामों का ऐलान किया है।

राजद ने उम्मीदवारों की एक भी लिस्ट जारी नहीं की। नामांकन के आखिरी दिन RJD, कांग्रेस और VIP अपने-अपने उम्मीदवारों को पार्टी का सिंबल बांटते रहे। 10 सीटों पर महागठबंधन की पार्टियों ने एकदूसरे के खिलाफ उम्मीदवार को उतार दिया है।

कांग्रेस और RJD ने 5 सीटों पर अपने-अपने कैंडिडेट उतारे हैं।

तीन सीटों पर CPI और कांग्रेस, एक सीट पर VIP और RJD में मुकाबला होगा। नाराज चल रहे VIP प्रमुख मुकेश सहनी ने चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि वे डिप्टी सीएम बनेंगे। राज्यसभा नहीं जाएंगे।

उधर, NDA की पांचों पार्टियों ने आपसी तालमेल से उम्मीदवार उतारे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 16 से 18 अक्टूबर तक बिहार दौरे पर हैं। वे आज पटना में भाजपा नेताओं के साथ बैठक करेंगे। शुक्रवार को वे पटना के ज्ञान भवन में प्रबुद्धजन सम्मेलन में शामिल हुए। इसमें उन्होंने कहा- लालू नए चेहरे और नए कपड़े बदलकर फिर से जंगलराज लाना चाहते हैं। इसे रोकना होगा।

कांग्रेस के नाराज नेता बोले- महागठबंधन टूटने वाला है

महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर कलह अब खुलकर सामने आ गई है।

अनोखी दिवाली-बंगाल में जलती चिताओं के बीच काली पूजा

कोलकाता महाश्मशान में दिवाली की 154 साल पुरानी परंपरा; यहां मां की मूर्ति में जीभ अंदर

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में जितना महत्व नवरात्र का है, लगभग उतना ही काली पूजा का है, जो दीपावली के दिन यानी 20 अक्टूबर को होगी। इसकी तैयारियां महानगर के सबसे बड़े श्मशान केवड़ातला पर लगभग पूरी हो चुकी हैं।

यह जगह मशहूर कालीघाट मंदिर के पास ही है, जहां चौबीस घंटे चिताएं जलती हैं। इसलिए इसे महाश्मशान कहा जाता है। फिलहाल डोम संप्रदाय के लोग श्मशान की दीवारों की रंगाई-पुताई कर चुके हैं।

काली पूजा के आयोजक उत्तम दत्त बताते हैं कि जब तक श्मशान में कोई शव नहीं आता, तब तक देवी को हम भोग नहीं चढ़ाते। पूरे बंगाल में यह पूजा सिर्फ कालीघाट पर ही होती है।इसके अलावा, उनकी पूजा के समय यहां जलने के लिए आने वाली एक चिता भी पंडाल में रखी जाती है। इन्हीं परंपरा के चलते ही श्मशान का माहौल रहस्यमय बन जाता है।

दिवाली के चलते हर जगह घर जाने वाले लोगों का रेला, बस-ट्रेनों में भारी भीड़; इंतजार करने को मजबूर

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन के चलते दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद में घर जाने वाले यात्रियों की भीड़ देखने को मिल रही है। लोग परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए अपने घरों की ओर रवाना हो रहे हैं, जिससे प्रमुख बस अड्डों और मेट्रो स्टेशनों पर काफी व्यस्तता है। वहीं, आज धनतेरस की खरीदारी को लेकर बाजारों में काफी भीड़ है।

दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा के प्रमुख बस स्टैंड और मेट्रो स्टेशन भी यात्रियों की भारी भीड़ हैं। लोग परिवार और दोस्तों के साथ त्योहार मनाने के लिए घर की ओर बढ़ रहे हैं। यातायात पुलिस और स्टाफ ने सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष इंतजाम किए हैं, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

यातायात और सुरक्षा विभाग ने भीड़ नियंत्रण और यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे समय से पहले यात्रा की योजना बनाएं और सुरक्षा नियमों का पालन करें। बता दें कि त्योहार के इस सीजन में यात्रियों की बढ़ती संख्या आम है, लेकिन प्रशासन लगातार निगरानी रख रहा है ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

ग्रेटर नोएडा में दिखी भीड़: दिवाली पर घर जाने के लिए परी चौक पर यात्रियों को शुक्रवार को कई घंटों तक इंतजार करना पड़ा। नॉलेज पार्क में पढ़ने वाले छात्रों की छुट्टियों के कारण काफी भीड़ रही। शुक्रवार को सड़कों पर केवल छात्र ही छात्र दिखाई दिए। वहीं, दादरी में भी यात्री बसों का इंतजार करते रहे।

त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ी भीड़, रोडवेज ने बढ़ाए फेरे: त्योहारी सीजन में घर जाने वालों की भीड़ से नोएडा बस डिपो और रेलवे स्टेशन खचाखच भर गए हैं। शुक्रवार शाम से यात्रियों की भारी भीड़ जुटनी शुरू हो गई, जो शनिवार को और बढ़ने की उम्मीद है। इस बीच परिवहन निगम ने यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त बस फेरे लगाने की घोषणा की है। क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल नोएडा-ग्रेनो क्षेत्र की 305 बसें 30 से अधिक रूटों पर संचालित हो रही हैं। इनमें सिकंदराबाद, खैर, अलीगढ़, हाथरस, मुरादाबाद, मेरठ, बरेली, मथुरा और रामपुर समेत कई प्रमुख रूट शामिल हैं। त्योहार को देखते हुए अब इन रूटों पर अतिरिक्त बसें चलाई जा रही हैं ताकि अधिकतम यात्रियों को सुरक्षित घर पहुंचाया जा सके। बसें नोएडा डिपो, बॉटेनिकल गार्डन, परी चौक और जीरो प्वाइंट से होकर गुजरेंगी। यात्री अपनी सीट यूपीएसआरटीसी की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन भी बुक कर सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि भीड़ को देखते हुए सभी डिपो पर निरीक्षण और निगरानी बढ़ा दी गई है।

गाजियाबाद के बस अड्डे और रेलवे स्टेशनों पर भीड़ : गाजियाबाद के कौशांबी बस अड्डा यात्रियों से गुलजार है। बड़ी संख्या में लोग टिकट लेकर बसों में सफर कर रहे हैं, जिससे बस अड्डे पर सामान्य से अधिक भीड़ देखने को मिली। वहीं, गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर भी भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

ढाई घंटे में आधे घंटे का

जाम से कराहने की आवाज पुलिस आयुक्त तक पहुंची, दिए सख्त आदेश

दिल्ली ,एजेंसी। पिछले तीन दिन से जाम से कराहे दिल्ली वासियों की कराहने की आवाज शुक्रवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त तक पहुंच गई। इसके बाद दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने स्थानीय पुलिस को ट्रैफिक जाम को खुलवाने में सहयोग करने के सख्त आदेश दिए हैं। पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने ये भी आदेश दिए हैं कि ऐसी जगह पुलिस पिकेट लगाकर चेकिंग न की जाए जिसकी वजह से जाम लगता हो। बताया जा रहा है कि फिलहाल ये व्यवस्था त्योहारी मौसम के लिए हैं। अच्छे इनपुट आने के बाद इसे आगे भी लागू किया जाएगा।

त्योहारी मौसम के चलते लोगों के भारी आवागमन, एक दिन में कई वीआईपी रूट लगने और दिल्ली में कई इवेंट होने से दिल्ली पिछले कुछ दिन से जाम से जूझ रही है। आधा घंटे के सफर को पूरा करने में ढ़ाई घंटे तक समय लग रहा है। वाहनों की दो से तीन किमी लंबी लाइनें लग रही हैं।

ऐसे में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में कहीं अगर जाम लगता है तो ट्रैफिक पुलिस ही मौके पर जाकर खुलवाएगी। चाणक्युपरी थाने के सामने पिछले तीन दिन जबरदस्त जाम लग रहा है, मगर एक भी पुलिसकर्मी थाने से बाहर निकल कर जाम खुलवाते नजर नहीं आया।

साथ ही गुरुवार को तीन मूर्ति पर जबरदस्त जाम लग रहा था। यहां पर ट्रैफिक पुलिस के सात पुलिसकर्मी थे, मगर उनसे ट्रैफिक संभाला नहीं जा रहा था, मगर एक भी स्थानीय पुलिस का जवान नहीं पहुंचा था। इसके अलावा ट्रैफिक पुलिस में सिर्फ 4500 के जवान हैं। क्षमता कम होने के कारण ट्रैफिक को संभालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे दिल्ली पुलिस आयुक्त ने शुक्रवार को सभी विशेष पुलिस आयुक्त को आदेश दिए कि ट्रैफिक जाम को खुलवाने के लिए लोकल पुलिस को लगाया जाए। इसके बाद सभी विशेष पुलिस आयुक्त ने ऑनलाइन मीटिंग लेकर सभी जिला प्रमुखों को इस बाबत आदेश दिए।

जेएनयू में स्कूल जीबीएम फिर से कराने की मांग

संयुक्त सचिव बोले- लोकतांत्रिक प्रक्रिया का नहीं हुआ पालन

दिल्ली, एजेंसी। JNU: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) छात्र संघ के संयुक्त सचिव वैभव मीणा ने दोबारा से स्कूल जनरल बॉडी मीटिंग (GBM) कराने की मांग की है। इस संबंध में जेएनयू कुलगुरू, चुनाव शिकायत निवारण समिति के अध्यक्ष को पत्र लिखा गया है। वैभव मीणा ने बताया कि स्कूल ऑफ सोशल साइंस (SSS), स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज (स्ढ्स) और स्कूल ऑफ लैंग्वेज में नियमों के तहत जीबीएम में चुनाव समिति सदस्य का चयन नहीं किया गया है। चयन को लेकर नियमों की अनदेखी की गई है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ।

पत्र में अनुरोध किया गया है कि चयनित चुनाव समिति सदस्यों को वैध न माना जाए। दोबारा से जीबीएम का आयोजन हो। लेफ्ट समर्थित जेएनयू छात्र के पदाधिकारियों की मनमर्जी नहीं चलेगी। 14 अक्तूबर को एसआईएस जीबीएम बैठक के दौरान भारी अराजकता और व्यवधान

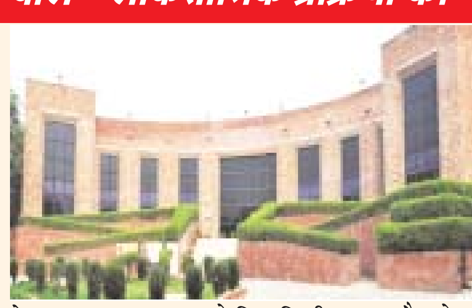

देखा गया। 17 अक्तूबर को बिना किसी सूचना और कोरम के जीबीएम को दोबारा बुलाकर चुनाव समिति सदस्यों की एकतरफा नियुक्ति कर दी।

इसी तरह से एसएसएस में जीबीएम लगभग 17 घंटे चली, लेकिन किसी प्रकार का लोकतांत्रिक निर्णय नहीं लिया गया। विरोध के बावजूद लेफ्ट समूह ने छात्रों को नजरअंदाज करते हुए सदस्यों की एकतरफा घोषणा कर दी। इसी प्रकार स्कूल ऑफ लैंग्वेज की जीबीएम में ईसी की नियुक्ति केवल पांच मिनट में पूरी कर दी गई।

एबीवीपी पर लगे आरोप: एबीवीपी के आरोपों पर जेएनयू छात्र संघ की उपाध्यक्ष मनीषा ने कहा कि चुनाव सदस्यों के चयन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन किया गया। सभी स्कूलों में जीबीएम की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। एबीवीपी ने सभी स्कूलों को जीबीएम में हिंसा की। सुबह छह बजे से लेकर दो घंटे छात्र संघ अध्यक्ष नीतीश कुमार, सचिव मुंतेहा फातिमा और मुझे बंधक बनाया गया। कहा कि नीतीश को पीटा गया और उसके कपड़े फाड़ दिए। सभी जीबीएम के आयोजन में नियमों का पालन किया गया है। अब सभी सदस्य चुनाव आयोजन समिति के संयोजक का चयन करेंगे। सोमवार तक यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। उसके बाद चुनाव का कार्यक्रम जारी होगा। मनीषा ने बताया कि जातिगत टिप्पणी के विरोध में शनिवार शाम को वसंतकुंज थाने तक मार्च करने का निर्णय लिया है।

मच्छरजनित बीमारियों के आंकड़े उलझे, रिपोर्ट नहीं दे रही एमसीडी

विरोधाभास से विश्वसनीयता पर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मच्छरजनित बीमारियों की स्थिति पर विवाद गहराता जा रहा है। आंकड़े बता रहे हैं कि इस साल मलेरिया और चिकनगुनिया के मामले रिकॉर्ड स्तर पर हैं लेकिन डेंगू के मामलों में एमसीडी ने असामान्य गिरावट दिखाई है। इसी विरोधाभास ने अब एमसीडी की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष के सवालों के बाद एमसीडी ने साप्ताहिक रिपोर्ट जारी करना ही बंद कर दिया है।

एमसीडी की ओर से जारी अंतिम साप्ताहिक रिपोर्ट (4 अक्तूबर) के अनुसार, दिल्ली में अब तक मलेरिया के 431 और चिकनगुनिया के 76 मामले दर्ज किए गए जो पांच वर्षों में सर्वाधिक हैं। डेंगू के केवल 840 मामले दर्ज दिखाए गए हैं जबकि 2024 में इसी अवधि तक यह संख्या 1,630 और 2023 में 2,701 थी। आंकड़ों के अनुसार, इस साल मलेरिया के मामले 2024 से भी अधिक हैं लेकिन डेंगू में लगभग 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यह रुझान एडीज मच्छर के व्यवहार के विपरीत है क्योंकि यही मच्छर डेंगू और चिकनगुनिया दोनों फैलाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब मलेरिया और चिकनगुनिया के मामले लगातार बढ़ रहे हैं तो उन्हीं मच्छरों से फैलने वाला डेंगू अचानक आधा कैसे हो गया। क्या यह डेटा संग्रह में तकनीकी त्रुटि है या किसी स्तर पर मामले दर्ज ही नहीं किए जा रहे।

जवाब नहीं दे रही एमसीडी: सात अक्तूबर के बाद से एमसीडी की कोई नई साप्ताहिक रिपोर्ट जारी नहीं हुई है। परंपरा के मुताबिक हर सोमवार को एमसीडी मच्छर जनित रोगों की स्थिति रिपोर्ट जारी करती थी जो मीडिया और सार्वजनिक स्वास्थ्य विभागों के लिए प्रमुख स्रोत मानी जाती थी। अब रिपोर्ट जारी न होने से डेटा की पारदर्शिता पर और प्रश्न खड़े हो गए हैं। विपक्षी पार्षदों का कहना है कि जैसे ही मीडिया और विपक्ष ने आंकड़ों में गड़बड़ी पर सवाल उठाने शुरू किए एमसीडी ने रिपोर्ट प्रकाशित करना रोक दिया।

अवसर : दिल्ली के सबसे ऊंचे टावर में फ्लैट खरीदने का मौका, 48 मंजिला सोसायटी; 31 से शुरू होगा पंजीकरण

दिल्ली, एजेंसी। डीडीए ने कड़कड़डूमा में अपनी नई टावरिंग हाइट्स प्रीमियम आवासीय योजना लॉन्च कर दी है। ये दिल्ली की पहली केंद्रित विकास योजना (ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट) परियोजना है जो रेरा से स्वीकृत है। फ्लैटों की बुकिंग के लिए 31 अक्तूबर से 21 नवंबर तक पंजीकरण किया जा सकेगा।

डीडीए ने जानकारी दी है कि करीब 30 हेक्टेयर क्षेत्र में रिहायश विकसित हो रही है जहां आवासीय, वाणिज्यिक और नागरिक सुविधाएं एक परिसर में होंगी। यहां 48 मंजिला 155 मीटर ऊंची इमारतें बनाई जा रही हैं, जो दिल्ली की अब तक की सबसे ऊंची इमारतें होंगी। डीडीए ने पहले चरण में 1,026 दो बेडरूम वाले फ्लैट बेचने की योजना बनाई है। इन फ्लैट की कीमत 1.78 करोड़ से 3.09 करोड़ रुपये के बीच रखी गई है। इनका आकार 142 से 250 वर्गमीटर तक होगा। फ्लैटों की बुकिंग प्रक्रिया ऑनलाइन नीलामी से होगी। डीडीए की वेबसाइट www.dda.gov.in Ø æ https://eservices.dda.org.द्वठु पर

जाकर पंजीकरण किया जा सकता है। परियोजना की सबसे बड़ी खासियत है कि ये कड़कड़डूमा मेट्रो इंटरचेंज स्टेशन के पास है। ब्लू और पिंक दोनों मेट्रो लाइनें यहां से गुजरती हैं। एनएच-9, एनएच-24, आनंद विहार रेलवे स्टेशन और आईएसबीटी के नजदीक है। इसमें 20,000 वर्गमीटर का हरित क्षेत्र, जॉगिंग ट्रैक, खुला व्यायाम स्थल, क्रिकेट फील्ड, बैडमिंटन कोर्ट और बच्चों के खेलने की जगह मिलेगी। यह परियोजना एनबीसीसी की निगरानी में और नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी बना रही है। परियोजना पानी, सीवरेज से जुड़ी अड़चनों के कारण अटकी थी जिसे 2022 में उपराज्यपाल वीके सक्सेना के हस्तक्षेप से दूर किया गया।

काठमांडू में फिर निषेधाज्ञा लागू, दो माह तक सभा-जुलूस, धरना व प्रदर्शन पर रोक

काठमांडू, एजेंसी। काठमांडू जिला प्रशासन ने एक बार फिर काठमांडू के संवेदनशील इलाकों में निषेधाज्ञा जारी कर दिया है। शनिवार से दो महीने तक के लिए राजधानी के विभिन्न स्थानों पर किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। काठमांडू के प्रमुख जिलाधिकारी ईश्वर राज पौडेल की तरफ से जारी सूचना के मुताबिक 18 अक्टूबर से 18 दिसंबर तक काठमांडू के पांच संवेदनशील स्थानों के आसपास निषेधाज्ञा जारी किया गया है। इस सूचना के मुताबिक निषेधाज्ञा वाले स्थानों पर किसी भी राजनीतिक दल, संगठन या किसी भी समूह अथवा व्यक्ति द्वारा सभा, सम्मेलन, धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली, नारेबाजी करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। काठमांडू जिला प्रशासन ने राजधानी स्थित राष्ट्रपति भवन, उपराष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास, सिंहदरबार क्षेत्र और नारायणहिटी राजदरबार के आसपास के क्षेत्रों में निषेधाज्ञा जारी किया है। राष्ट्रपति भवन के चारों ओर की सड़कों और आसपास के पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र को भी निषेधाज्ञा क्षेत्र घोषित किया गया है। इसी तरह उपराष्ट्रपति भवन से लेकर उसके पास रहे भारतीय राजदूतावास के आसपास के क्षेत्र में प्रतिबंध लगाया गया है। ऐसे ही सिंहदरबार से लेकर सुप्रीम कोर्ट, अटॉर्नी जनरल दफ्तर, काठमांडू पुलिस हेडक्वार्टर, आर्मी हेडक्वार्टर के आसपास भी निषेधाज्ञा जारी किया गया है। जिला प्रशासन ने राजदरबार के आसपास के क्षेत्रों को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया है।

सांविधानिक सुधारों से युवा असंतुष्ट, संसद परिसर में किया बवाल,मुख्य गेट फांदकर घुसे प्रदर्शनकारी

ढाका, एजेंसी। राजनीतिक दलों ने शुक्रवार को लोकतांत्रिक सुधार सुनिश्चित करने वाले जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर कर दिए लेकिन युवाओं के भारी विरोध व नवगठित (नेशनल सिटिजन पार्टी-एनसीपी) के विरोध के कारण अंतरिम सरकार का जश्न फीका पड़ गया। हालात यह रहे कि जुलाई चार्टर के सांविधानिक प्रावधानों में अपनी मांगों की अनदेखी से नाराज युवा प्रदर्शनकारी मुख्य दरवाजे को फांदकर संसद भवन परिसर में दाखिल हो गए और जमकर बवाल काटा। इस दौरान सरकार विरोधी नारे भी लगे। खुद को हसीना को सत्ता से बेदखल करने वाले प्रदर्शनकारी बताते हुए युवा शुक्रवार सुबह से ही संसद भवन के पास एकत्र होने लगे थे। वे इस बात पर नाराजगी जता रहे थे कि नए चार्टर में उनकी चिंताओं का समाधान नहीं किया गया है, जबकि हसीना के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुए विद्रोह के दौरान उनके कई प्रियजनों की मौत हुई है। देखते ही देखते प्रदर्शन हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों ने जब पीछे हटने से इन्कार किया जुलाई चार्टर में हस्ताक्षरों का अर्थ है

ट्रम्प के एनएसए रहे बोल्टन पर गोपनीय दस्तावेज रखने के आरोप में 18 मामले दर्ज

वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) रहे जॉन बोल्टन पर मामला दर्ज किया गया है। बोल्टन पर राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी जानकारी शेयर करने के आठ और गोपनीय दस्तावेज अपने पास रखने के 10 आरोप लगाए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जॉन बोल्टन ने ट्रम्प प्रशासन में काम करते वक्त अपनी गतिविधियों के नोट्स और डायरी ईमेल अकाउंट में सेव की थीं। जांच एजेंसियों का कहना है कि इन नोट्स में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील बातें शामिल थीं, जिन्हें उन्होंने खुद को और परिवार को मेल किया था। 76 साल के बोल्टन अगर दोषी पाए गए तो उन्हें आजीवन कारावास की सजा हो सकती है।

बता दें 2021 में बोल्टन का ईमेल अकाउंट ईरानी हैकर्स ने हैक कर लिया था। हैकर्स ने धमकी दी थी कि अगर बोल्टन के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो वे यह जानकारी लीक कर देंगे, जैसे 2016 में हिलेरी क्लिंटन के ईमेल लीक हुए थे। बोल्टन ने अगस्त में एक साक्षात्कार में भारत पर 50फीसदी टैरिफ लगाने के फैसले को भारी भूल बताया था। उन्होंने आशंका जाहिर की है कि रूस को कमजोर करने के लिए भारत पर लगाया गया एक्स्ट्रा टैरिफ कहीं उल्टा न पड़ जाए।

उन्होंने कहा था कि अमेरिका, भारत को रूस और चीन से दूर करने के लिए कई साल से कोशिश कर रहा था लेकिन अब वह कोशिश कमजोर पड़ गई है। इसके अलावा बोल्टन ने पिछले महीने कहा था कि ट्रम्प और पीएम मोदी के बीच पहले की खास दोस्ती अब खत्म हो चुकी है। इंटरव्यू में बोल्टन ने ट्रम्प की नीति की आलोचना करते हुए कहा था कि व्हाइट हाउस ने अमेरिका-भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेल दिया है, जिससे मोदी रूस और चीन के करीब आ गए हैं। चीन ने खुद को अमेरिका और ट्रम्प के विकल्प के रूप में पेश किया है।

ट्रम्प ने बोल्टन पर आरोप तय होने के बाद प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह बुरा आदमी है, जैसा करोगे वैसा भरोगे।

हमास ने एक और मृत बंधक का ताबूत इजराइल को सौंपा

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के सैन्य अधिकारी आज सुबह एक और बंधक के शव का ताबूत लेकर गाजा पट्टी से यहां पहुंचे। इस ताबूत में अवशेष हैं। हमास ने शुक्रवार देररात ताबूत रेडक्रॉस को सौंपा। इसके बाद रेडक्रॉस के अधिकारी ताबूत को लेकर गाजा-इजराइल सीमा पर पहुंचे और उसे इजराइल सुरक्षा बलों (आईडीएफ) के अफसरों के हवाले कर दिया। ताबूत को तेल अवीव के अबू कबीर फोरेंसिक संस्थान पहुंचाया गया है। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीएफ ने सैन्य और राजकीय सम्मान के साथ ताबूत को इजराइली झंडे लपेटा और तत्काल इजराइल के लिए रवाना हो गए। इससे पहले फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास ने कहा था कि उसने सभी मृत बंधकों को वापस कर दिया था। हमास ने कहा

था कि और भी शव मलबे में दबे हो सकते हैं, उसे खोजने में वक्त लगेगा। अगर आज सौंपे गए शव की पहचान इजराइली बंधक के रूप में हो जाती है तो 18 और बंधकों के शव की वापसी बाकी रह जाएगी। युद्धविराम समझौते में हमास ने 28 शव लौटाने पर सहमति जताई थी। आईडीएफ ने कहा कि रेडक्रॉस ने दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में हमास से यह ताबूत लिया। यहां शुक्रवार की सुबह की फुटेज और तस्वीरों में हमास के आतंकी हमाद टाउन आवासीय परिसर में खुदाई करते दिखाई दे रहे थे। अरब मीडिया ने तो एक बंधक का नाम भी लिया है, जिसका शव संभवतः उस इलाके में एक सुरंग में दबा हुआ था। अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ ने शनिवार तड़के एक्स पोस्ट में बंधकों के परिवारों से आधिकारिक पहचान की प्रतीक्षा करने का आग्रह किया है।

गंभीर आरोपों में फंसे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन जमानत पर रिहा

वाशिंगटन, एजेंसी। ग्रीनबेल्ट कोर्टहाउस मैरीलैंड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जॉन बोल्टन को शुक्रवार को निजी मुचलके पर जमानत पर रिहा कर दिया। वह इन दिनों ट्रंप के मुखर आलोचक हैं। पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पर गोपनीय जानकारी का दुरुपयोग करने का आरोप है। उन्होंने अदालत में आत्मसमर्पण करते हुए निर्दोष होने की दलील दी। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, 76 वर्षीय बोल्टन ने अदालत में अपना पक्ष रखा। उन्होंने सुनवाई के दौरान कहा कि अति गोपनीय राष्ट्रीय रक्षा जानकारी प्रसारित करने और उसे अपने पास रखने के 18 मामलों में वह

पूरी तरह निर्दोष हैं। जज टिमोथी सुलिवन ने बोल्टन को निजी मुचलके पर जमानत प्रदान करते हुए रिहा कर दिया। जज ने अगली सुनवाई की तारीख 21 नवंबर तय की। उल्लेखनीय है कि हाल के हफ्तों में आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले ट्रंप के तीसरे मुखर विरोधी बोल्टन पर गुरुवार को अभियोग लगाया गया। इसमें उन पर दो अनधिकृत व्यक्तियों के साथ ई-मेल के जरिए गोपनीय फाइलें साझा करने का आरोप है। बोल्टन ने रिहा होने के बाद पत्रकारों से बात नहीं की, लेकिन गुरुवार को एक बयान में उन्होंने आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि वे न्याय विभाग को हथियार बनाने का नवीनतम निशाना बन गए हैं। बोल्टन पर अभियोग न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स और पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कॉमी के खिलाफ आपराधिक आरोप दायर करने के बाद लगाया गया है। 66 वर्षीय जेम्स पर 9 अक्टूबर को वर्जीनिया में बैंक धोखाधड़ी और 2020 में नॉरफॉक, वर्जीनिया में खरीदी गई एक संपत्ति से संबंधित झूठे बयान देने के आरोप में है। 64 वर्षीय कॉमी ने 8 अक्टूबर को कांग्रेस को झूठे बयान देने और कांग्रेस की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पोस्ट में अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी से सार्वजनिक रूप से जेम्स, कॉमी और अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया था।

पटाखा विक्रेताओं को हरित पटाखे बेचने की सलाह

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने किया साउंड चेक और गुणवत्ता परीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार दीपावली त्यौहार के मद्देनज़र मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जिले में पटाखों की जांच और निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत बोर्ड के अधिकारी माता प्रसाद तिवारी एवं परीक्षण दल ने जिला अस्पताल सीधी, संजय गांधी कॉलेज ग्राउंड, तथा नगर पंचायत चुरहट के निर्धारित स्थलों पर पटाखा दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी पटाखा विक्रेताओं को आवश्यक निर्देश और सावधानियां दी गईं तथा पटाखों के सैंपल परीक्षण हेतु लिए गए।

वायु गुणवत्ता की निगरानी शुरूः नगर पालिका परिषद सीधी में वायु परिमापन यंत्र स्थापित किया गया है, जिससे 24 घंटे के अंतराल पर वायु गुणवत्ता का मानक दर्ज किया जाएगा। प्रारंभिक परीक्षण में जिला अस्पताल सीधी और नगर पालिका परिषद सीधी में ध्वनि स्तर सामान्य सीमा में पाया गया।

साउंड चेक और गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया जारीः तिवारी ने बताया कि पारंपरिक पटाखों से निकलने वाला धुआं और शोर न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक है, बल्कि सामान्य जनस्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसी को ध्यान में रखते हुए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव अच्युत आनंद मिश्रा के मार्गदर्शन में इस वर्ष भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत साउंड चेक और गुणवत्ता परीक्षण की कार्यवाही की जा रही है ताकि अवैध या अत्यधिक ध्वनि वाले पटाखों की बिक्री पर रोक लगाई जा सके।

बिना लाइसेंस या प्रतिबंधित पटाखे पर कार्रवाई की चेतावनीः तिवारी ने सभी विक्रेताओं को निर्देशित किया कि केवल लाइसेंस प्राप्त और हरित पटाखों की ही बिक्री करें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई विक्रेता बिना लाइसेंस या प्रतिबंधित पटाखे बेचते हुए पाया गया तो कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जनता से अपीलः प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे हरित पटाखों का उपयोग करें और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दें, ताकि सभी मिलकर एक स्वस्थ, सुरक्षित और प्रदूषण-मुक्त दीपावली मना सकें।

चोर मां-बेटी गिरफ्तार, बाजार से गहने चुराए; 2 लाख रुपए का माल बरामद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पुलिस ने चोर मां-बेटी को गिरफ्तार किया है। कोतवाली पुलिस ने शनिवार सुबह दो महिला चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से करीब 2 लाख रुपए का चोरी का माल बरामद किया है। बरामद सामान में सोने-चांदी के गहने और चोरी में इस्तेमाल की गई स्कूटी शामिल है। यह घटना 9 अक्टूबर को सीधी बाजार में हुई थी। ग्राम सोनवर्षा कोटरा पहाड़ी निवासी आंचल द्विवेदी अपनी बहन काजल द्विवेदी के साथ खरीदारी करने आई थीं। दोपहर करीब एक बजे गांधी चौक क्षेत्र में आंचल द्विवेदी का बैग खोलकर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर चुरा लिए गए थे।

घटना की शिकायत मिलने के बाद कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक कन्हैया सिंह बघेल ने तुरंत एक पुलिस टीम गठित की। शहरभर के सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई, जिसमें दो संदिग्ध महिलाएं स्कूटी से जाती हुई दिखीं। मुखबिर की सूचना पर उनकी पहचान बिझौली गहरवान, थाना शाहपुर निवासी मुन्नी बाई पटेल और उनकी बेटी सपना पटेल के रूप में हुई।

दोनों वारदात को कबूलाः पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। शुरुआती इनकार के बाद, सख्ती बरतने पर उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उनकी निशानदेही पर चोरी किए गए गहने बरामद किए गए। बरामद गहनों की कीमत लगभग एक लाख रुपए है, जबकि वारदात में प्रयुक्त स्कूटी की कीमत भी लगभग एक लाख रुपए आंकी गई है। कुल मिलाकर दो लाख रुपए का माल जब्त किया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी मुन्नी बाई पटेल एक आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ वर्ष 2017 में रीवा के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में चोरी के तीन मामले दर्ज हैं। दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

रीवा पुलिस ने धन तेरस पर लौटाई लोगों के चेहरों की मुस्कान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह के निर्देशन में अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल और स्टाफ ने आम लोगों के गुम हुए मोबाइल फोन ढूंढकर उन्हें सौंपा। इस विशेष अभियान के तहत लगभग 50 मोबाइल फोन लौटाए गए, जिससे लोगों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई। धन तेरस के अवसर पर लोगों को यह उपहार मिला, जिसने इस पर्व को और भी खास बना दिया।

लोगों ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया। गुम हुए मोबाइल फोन वापस मिलने से न केवल लोगों की परेशानियाँ दूर हुईं, बल्कि उन्होंने पुलिस के प्रति विश्वास और सम्मान भी व्यक्त किया।

माजन तिराहे पर यात्रियों को बैठाने पर स्थानीय ड्राइवर्स ने की मारपीट, यूपी के ऑटो चालक को पीटा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। शहर के माजन तिराहे पर स्थानीय ऑटो चालकों ने उत्तर प्रदेश के एक ऑटो चालक की पिटाई कर दी। यह घटना शनिवार शाम करीब 5:30 बजे हुई, जिसका वीडियो भी सामने आया है।

पीड़ित चालक की गलती सिर्फ इतनी थी कि उसने माजन तिराहे पर रुककर जयंत इलाके की ओर जाने वाले यात्रियों को अपने ऑटो में बैठाया था।

ये है पूरा मामलाः जानकारी के अनुसार, शक्ति नगर, उत्तर प्रदेश का ऑटो चालक सुरेश कुमार बैढ़न से शक्ति नगर लौट रहा था। रास्ते में माजन तिराहे पर उसने जयंत और नवानगर जाने वाले यात्रियों को अपने ऑटो में बैठा लिया। इसी बात से नाराज होकर तिराहे पर खड़े करीब आधा दर्जन स्थानीय ऑटो चालकों ने उसकी पिटाई शुरू कर दी।

मौके पर ट्रैफिक पुलिस भी नहीं थीः स्थानीय दुकानदार संदीप ने बताया कि अचानक शोर सुनकर वह दुकान से बाहर निकले तो देखा कि कई लोग मिलकर एक व्यक्ति को पीट रहे थे और वह मदद के लिए गुहार लगा रहा था। संदीप ने पुलिसकर्मियों को ढूंढने की कोशिश की, लेकिन भीड़भाड़ वाले इस चौराहे पर कोई ट्रैफिक पुलिसकर्मी या अन्य पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था, जबकि धनतेरस के कारण भीड़ की आशंका थी।

यह माजन इलाके में ऑटो चालकों के उपद्रव का पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि माजन इलाके में ऑटो चलाने वाले चालक अक्सर नशे की गोलियों या शराब के नशे में धुत रहते हैं। हालांकि, इस घटना के संबंध में पुलिस में अब तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

अधेड़ पर चाकू से हमला... पेट, गर्दन, सिर पर 6 वार किए; गंभीर हालत में एडमिट

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में 56 वर्षीय अनिल दुबे पर बीती रात करीब 2 बजे चाकू से हमला किया गया। हमलावर ने उन पर छह बार वार किए, जिससे उनके पेट, गर्दन और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें सीधी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, घायल व्यक्ति ग्राम मुठीगमा में अपना नया मकान बनवा रहे थे। निर्माण स्थल पर सीमेंट और सरिया रखे होने के कारण वे रात में वहीं रुककर उसकी सुरक्षा कर रहे थे, तभी उन पर यह हमला हुआ।

होश में आने के बाद घायल ने बताया कि हमलावर संजू साकेत है, जो पास में ही रहता है। शाम करीब 8 बजे तक संजू उनके साथ था और उस दौरान किसी मामूली बात पर दोनों के बीच बहस हुई थी।

देर रात लौटकर किया हमलाः घायल ने बताया रात करीब 2 से 2:30 बजे के बीच जब वे सो रहे थे, तभी संजू साकेत आया और उनके पेट में चाकू से वार कर दिया। जब तक वे कुछ समझ पाते, हमलावर ने गर्दन और सिर पर भी कई वार किए। अनिल किसी तरह बचकर साकेत बस्ती पहुंचे, जहां से लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। जमोड़ी थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि अब तक घटना की कोई औपचारिक शिकायत थाने में दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि अस्पताल चौकी या पीड़ित पक्ष से रिपोर्ट मिलते ही पुलिस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करेगी।

तालाब में मिला चार दिन से लापता युवक का शव

घड़ी, जूते घटनास्थल से दूर मिले; परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित सारो बंधा तालाब में शनिवार सुबह एक युवक का शव मिला। मृतक की पहचान छुहिया गांव निवासी संदीप साहू (21) पिता राजमनि साहू के रूप में हुई है। संदीप 14 अक्टूबर की शाम करीब 5 बजे से लापता था।

परिवार ने हत्या की जताई आशंकाः परिजनों ने बताया कि संदीप के लापता होने के बाद उसकी तलाश रिश्तेदारों और दोस्तों के यहां की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। चार दिन बाद, 18 अक्टूबर की सुबह ग्रामीणों ने तालाब में एक शव तैरता देखा। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा।

पिता ने मामले की कड़ी जांच की मांग कीः घटनास्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर मृतक के जूते, घड़ी और अन्य सामान भी मिले हैं, जिससे मामले की संदेहास्पदता बढ़ गई है। परिजनों ने संदीप की हत्या की आशंका जताई है। मृतक के पिता राजमनि साहू ने पुलिस से गहन जांच की मांग करते हुए कहा, मेरा बेटा आत्महत्या नहीं कर सकता, यह हत्या का मामला है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष बोले-मामले की होनी चाहिए निष्पक्ष जांचः इस बीच, कांग्रेस जिलाध्यक्ष ज्ञान सिंह ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, तालाब में शव मिलने की यह पहली घटना नहीं है। ऐसी कई घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस हर बार मामले को ठंडे बस्ते में डाल देती है। यह एक गंभीर मामला है और निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

कोतवाली थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल ने बताया कि शव बरामद होने के बाद मर्ग कायम कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस फिलहाल मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सीधी-मऊगंज रोड पर बस ने बाइक को मारी टक्कर, सांसद ने की मदद, अपनी गाड़ी से ले गए जिला अस्पताल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शनिवार सुबह सीधी-मऊगंज मार्ग पर हुए एक सड़क हादसे में घायल युवक को सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने अपनी गाड़ी से जिला अस्पताल पहुंचाया। सांसद मऊगंज से सीधी लौट रहे थे, तभी उन्होंने कमर्जी के पास यह घटना देखी।

यह घटना शनिवार सुबह करीब 10 बजे कमर्जी के समीप हुई। एक सफेद रंग की बस और बाइक की टक्कर में अमरवाह निवासी बाइक चालक प्रदीप सिंह चौहान गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शी हंसराज के अनुसार, बाइक सवार थोड़ा लहराते हुए गाड़ी चला रहा था, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार बस ने उसे टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद प्रदीप सिंह चौहान सड़क पर गिरकर घायल हो गए, जबकि बस मौके से फरार हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों को बस का नंबर या नाम स्पष्ट नहीं दिख पाया। इसी दौरान, सांसद डॉ. राजेश मिश्रा का काफिला घटनास्थल से गुजर रहा था।

सांसद डॉ. मिश्रा ने तुरंत अपनी गाड़ी रुकवाई और घायल युवक को स्वयं उठाकर अपनी गाड़ी में लेटाया। इसके बाद वे तत्काल उसे सीधी जिला अस्पताल ले गए। उन्होंने सिविल सर्जन डॉ. एस. बी. खरे को फोन कर घायल का तुरंत इलाज शुरू करने के निर्देश दिए।

मीडिया से बातचीत में डॉ. मिश्रा ने कहा कि हम सबका प्रथम कर्तव्य मानवता निभाना है। उन्होंने कहा, %अगर मैं एंबुलेंस का इंतजार करता तो शायद युवक की जान चली जाती। इसलिए मैंने अपने कर्तव्य का पालन करते हुए उसे खुद अस्पताल पहुंचाया।

गौ माता के पवित्र गोबर से बने दीपकों से जगमगाएगी दीपावली

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायत अमहिया के ग्राम धनौर स्थित मधुबन गौशाला में तुलसी स्व-सहायता समूह की महिलाएं इस वर्ष भी गौ माता के पवित्र गोबर से दीपक तैयार कर रही हैं। पिछले चार वर्षों से निरंतर यह परंपरा जारी है। इस वर्ष समूह द्वारा लगभग 50 से 55 हजार गोबर के दीपक बनाए गए हैं, जिनमें से 20 से 22 हजार दीपक की बिक्री पहले ही हो चुकी है।

प्रदूषण रहित और सुगंधित दीपकः स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष शांति बैग ने बताया कि ये दीपक पूरी तरह गौ माता के पवित्र गोबर से बनाए जाते हैं। इनमें किसी भी प्रकार के रासायनिक पदार्थ का उपयोग नहीं होता। दीपक जलने पर प्रदूषण नहीं फैलता और भीनी-भीनी प्राकृतिक खुशबू से वातावरण शुद्ध होता है। शांति बैग ने कहा कृ यह न केवल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम है, बल्कि हमारी संस्कृति और पर्यावरण दोनों के संरक्षण का माध्यम भी है।

शुद्ध गोबर, बिना केमिकलः आजीविका मिशन प्रबंधक चंद्रकांत सिंह ने बताया कि पिछले चार वर्षों से समूह द्वारा पूरी तरह जैविक गोबर से दीपक बनाए जा रहे हैं। गोबर में केवल प्राकृतिक मिट्टी के रंग मिलाए जाते हैं ताकि दीपक आकर्षक दिखाई दें। इनमें किसी भी प्रकार का रासायनिक मिश्रण नहीं किया जाता। दीपक जलने के बाद जो अवशेष बचता है, वह खाद के रूप में उपयोगी होता है और लोग उसे गमलों में भी प्रयोग करते हैं।

70 से 75 हजार दीपक प्रतिवर्ष तैयारः जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि मधुबन गौशाला में प्रारंभ हुआ यह कार्य अब विकासखंड मझौली के दो अन्य ग्रामों के स्व-सहायता समूहों तक विस्तार पा चुका है। वर्तमान में प्रतिवर्ष 70 से 75 हजार गोबर के दीपक तैयार किए जा रहे हैं, जिनका उपयोग छोटी और बड़ी दीपावली के साथ-साथ शादी-विवाह और अन्य धार्मिक आयोजनों में भी किया जा रहा है।

परंपरा और पर्यावरण का संगमः स्थानीय लोगों का कहना है कि इन गोबर के दीपकों को जलाने से अद्भुत सुगंध फैलती है और वातावरण पवित्र हो जाता है।

आजीविका मिशन द्वारा समूह की महिलाओं को एकीकृत कृषि क्लस्टर से जोड़कर की जा रही है आय में वृद्धि

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या के कारण भूमि का निरंतर विखंडन हो रहा है, जिससे किसानों के पास उपलब्ध कृषि योग्य भूमि का रकबा घटता जा रहा है। एक ओर प्राकृतिक आपदाओं की मार, वहीं दूसरी ओर रासायनिक खाद और कीटनाशकों के आसमान छूते दाम किसानों की कमर तोड़ रहे हैं। ऐसी स्थिति में लागत के मुकाबले किसानों को पर्याप्त आय नहीं मिल पा रही है।

इन्हीं समस्याओं से राहत दिलाने के उद्देश्य से म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, विकासखण्ड सीधी द्वारा एकीकृत कृषि क्लस्टर के माध्यम से स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। खेती के साथ-साथ पशुपालन, सब्जी उत्पादन और बकरी पालन जैसी बहुआयामी गतिविधियों को अपनाकर महिलाओं की आय में निरंतर इजाफा किया जा रहा है।

चार क्लस्टर में 1050 समूह सदस्य जुड़ेः विकासखण्ड के अंतर्गत संकुल स्तरीय संगठन के माध्यम से चार एकीकृत कृषि क्लस्टर बनाए गए हैं। प्रत्येक क्लस्टर में 3 से 4 ग्रामों को सम्मिलित किया गया है। इन क्लस्टरों में 1050 समूह सदस्य सक्रिय रूप से जुड़ी हैं। सदस्यों को तकनीकी सहायता और अभिसरण सहयोग के माध्यम से नए-नए आजीविका अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। किसानों को उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं, वहीं पशुपालन से जुड़ी महिलाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देकर उनके कौशल में वृद्धि की जा रही है।

अभिसरण के माध्यम से बीज वितरण व 'एक बगिया मां के नाम' योजनाः अभिसरण के तहत किसानों को बीज वितरण किया जा रहा है। साथ ही 'एक बगिया मां के नाम' योजना का भी समावेशन किया गया है, जिसके अंतर्गत हितग्राहियों का सत्यापन कार्य जारी है।

जैविक संसाधन केन्द्र बना आत्मनिर्भरता का आधारः खेती में लागत कम करने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी क्लस्टरों में जैविक संसाधन केन्द्र स्थापित किए गए हैं। इन केन्द्रों का संचालन समूह की महिलाएं स्वयं कर रही हैं। केन्द्रों में ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र, अग्निआस्त्र, खट्टी लस्सी, दसपर्णी अर्क, बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत एवं केचुआ खाद जैसे जैविक उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं, जिन्हें किसानों को सुलभ दरों पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

जहरमुक्त खेती की दिशा में क्रांतिः जैविक संसाधन केन्द्रों की स्थापना से जहरमुक्त खेती-आत्मनिर्भर किसान-समृद्ध किसान का सपना साकार होता दिख रहा है। किसानों को जहाँ तैयार जैविक उत्पाद आसानी से मिल रहे हैं, वहीं बंजर भूमि को भी नया जीवन मिल रहा है। एकीकृत कृषि क्लस्टर के माध्यम से आरंभ हुई यह जैविक क्रांति आने वाली पीढ़ियों के लिए वरदान सिद्ध होगी।

यातायात की अभद्रता

ऊना में एचआरटीसी की बस मिसाइल कैसे बनी, इससे भी आगे प्रश्न यह कि प्रदेश में ट्रैफिक नियंत्रण के हर पहलू में ऐसी खुराफात घर कैसे कर गई। बस अपने सफर पर शिमला के गंतव्य को ऊना में ही जमींदोज कर गई, तो मानना पड़ेगा कि सडक़ों पर किस रफ्तार का साम्राज्य चल रहा है। हिमाचल में पिछले नौ महीनों में सडक़ों पर अगर 575 लोग मरे, तो इस कहानी का कलंक कहीं भी उपस्थित हो सकता है। मरने वाले अकसर रफ्तार के रंग में परिवहन के परिदृश्य को कालिख पोत गए। रफ्तार का कोई एक वर्ग नहीं, बल्कि इसके तहत व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा, युवा जोश और परिवहन माफिया गठजोड़ चल रहा है। पूरे प्रदेश में कोई ट्रैफिक नियम नहीं और न ट्रैफिक पैट्रोलिंग। यहां हैरानी यह कि एचआरटीसी बस चालक ही अपने दायित्व से बेकाबू हो गया। एक बड़ा हादसा रहम कर गया, वरना 32 यात्रियों के साथ क्या होता। परिवहन अब जरूरतों से कहीं आगे सामाजिक रुतबे का प्रदर्शन, कमाई का प्रमुख स्रोत और व्यापारिक उत्थान का माध्यम बन गया है।

ऊना के सबक परिवहन की आचार संहिता, आदर्श और नियमों से जुड़े हैं, जहां सरकारी नौकरी का दबदबा शैतान बना। अगर एचआरटीसी प्रबंधन ऐसे ड्राइवरों की नौकरी भी छीन ले, तो यात्री सुरक्षा में यह एक पैगाम होगा। कुछ पैगाम ड्राइविंग लाइसेंस से भी नत्थी होने चाहिएं, जहां लापरवाही की ऐसी हद पर इन्हें रद्द करने की सजा भी तय हो जाए।हिमाचल के परिवहन में बढ़ती गति के कई कारण हैं, जिन्हें विभिन्न स्तरों पर समझना होगा। पूरे प्रदेश में रूट परमिट कुछ इस तरह के टाइम टेबल से बंधे हैं कि हर निजी बस अपने मुकाम तक यातायात अभद्रता से कमाई का संकल्प ढोती है। ऐसी आवारगी निजी बसों में प्राय: जनता को परेशानी में डालती है। निजी तौर पर प्रदेश की एक ट्रांसपोर्ट कंपनी की कोई न कोई बस सडक़ पर दुर्घटनाओं का बाकायदा सोशल मीडिया खड़ा कर चुकी है। आप बस दुर्घटना का नाम लें, जनता का अनुमान उसी बस कंपनी के साथ जुड़ जाता है। रफ्तार का दूसरा नाम टैक्सियां हैं, जो न केवल पर्यटन की इज्जत उतारती हैं, बल्कि रफ्तार की अभद्रता में सडक़ों पर यातायात नियमों की धज्जियां उड़ा रही हैं। खास तौर पर शहरी यातायात के हर दरवाजे पर परिवहन उच्छृंखलता का मजमा लगा हुआ है और जहां दोपहिया वाहन चालकों के लिए ट्रैफिक का न बायां माना जाता और न ही दायें की ओर कोई परहेज है। इतना ही नहीं, हिट एंड रन के मामले बढ़ रहे हैं। सडक़ पर असुरक्षा का सबसे बड़े शिकार पैदल यात्री बनते जा रहे हैं।

चिकित्सा के देवता माने जाते हैं भगवान धन्वन्तरि

रमेश सर्राफ धमोरा

धन्वन्तरि को हिन्दू धर्म में देवताओं के वैद्य माना जाता है। ये एक महान चिकित्सक थे जिन्हें देव पद प्राप्त हुआ। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ये भगवान विष्णु के अवतार समझे जाते हैं। इनका पृथ्वी लोक में अवतरण त्रयोदशी के दिन हुआ था। इसीलिये दीपावली के दो दिन पूर्व धनतेरस को भगवान धन्वन्तरि का जन्म धनतेरस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन इन्होंने आयुर्वेद का भी प्रादुर्भाव किया था। इन्हें भगवान विष्णु का रूप कहते हैं जिनकी चार भुजायें हैं। उपर की दोंनों भुजाओं में शंख और चक्र धारण किये हुये हैं। जबकि दो अन्य भुजाओं मे से एक में औषध तथा दूसरे मे अमृत कलश लिये हुये हैं।

आयुर्वेद चिकित्सा करनें वाले वैद्य इन्हे आरोग्य का देवता कहते हैं। इन्होंने ही अमृतमय औषधियों की खोज की थी। इनके वंश में दिवोदास हुए जिन्होंने शल्य चिकित्सा का विश्व का पहला विद्यालय काशी में स्थापित किया था। जिसके प्रधानाचार्य सुश्रुत बनाये गए थे। सुश्रुत दिवोदास के ही शिष्य और ऋषि विश्वामित्र के पुत्र थे। उन्होंने ही सुश्रुत संहिता लिखी थी। सुश्रुत विश्व के पहले शल्य चिकित्सक थे। दीपावली के अवसर पर कार्तिक त्रयोदशी-धनतेरस को भगवान धन्वंतरि की पूजा करते हैं। कहते हैं कि शंकर ने विषपान किया। धन्वंतरि ने अमृत प्रदान किया और इस प्रकार काशी कालजयी नगरी बन गयी।

आयुर्वेद के सम्बन्ध में सुश्रुत का मत था कि ब्रह्माजी ने पहली बार एक लाख श्लोक के आयुर्वेद का प्रकाशन किया था। जिसमें एक सहस्र अध्याय थे। उनसे प्रजापति ने पढ़ा तदुपरांत उनसे अश्विनी कुमारों ने पढ़ा और उन से इन्द्र ने पढ़ा। इन्द्रदेव से धन्वंतरि ने पढ़ा और उन्हें सुन कर सुश्रुत मुनि ने आयुर्वेद की रचना की। इसके उपरान्त अग्निवेश तथा अन्य शिष्यों के तन्त्रों को संकलित तथा प्रतिसंस्कृत कर चरक द्वारा चरक संहिता के निर्माण का भी आख्यान है।

धन्वन्तरि देवताओं के वैद्य और चिकित्सा के देवता माने जाते हैं। इसलिए चिकित्सकों के लिए धनतेरस का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। धनतेरस के संदर्भ में एक लोक कथा प्रचलित है कि एक बार यमराज ने यमदूतों से पूछा कि प्राणियों को मृत्यु की गोद में सुलाते समय तुम्हारे मन में कभी दया का भाव नहीं आता क्या। दूतों ने यमदेवता के भय से पहले तो कहा कि वह अपना कर्तव्य निभाते है और उनकी आज्ञा का पालन करते हैं। परन्तु जब यमराज ने दूतों के मन का भय दूर कर दिया तो उन्होंने कहा कि एक बार राजा हेमा के ब्रह्मचारी पुत्र का प्राण लेते समय उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर हमारा हृदय भी पसीज गया था। लेकिन विधि के विधान के अनुसार हम चाह कर भी कुछ न कर सके।

हमारे देश में सर्वाधिक धूमधाम से मनाए जाने वाले त्योहार दीपावली का प्रारम्भ धनतेरस से हो जाता है। इसी दिन से घरों की लिपाई-पुताई प्रारम्भ कर देते हैं। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन ही भगवान धन्वन्तरि का जन्म हुआ था। इसलिए इस तिथि को धनतेरस के नाम से जाना जाता है। धन्वन्तरि जब प्रकट हुए थे तो उनके हाथो में अमृत से भरा कलश था। भगवान धन्वन्तरि पीतल का कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए ही इस अवसर पर बर्तन खरीदने की परम्परा है। इस अवसर पर धनिया के बीज खरीद कर भी लोग घर में रखते हैं। दीपावली के बाद इन बीजों को लोग अपने बाग-बगीचों में या खेतों में बोते हैं।

एक दूत ने बातों ही बातों में तब यमराज से प्रश्न किया कि अकाल मृत्यु से बचने का कोई उपाय है क्या। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए यम देवता ने कहा कि जो प्राणी धनतेरस की शाम यम के नाम पर दक्षिण दिशा में दीया जलाकर रखता है उसकी अकाल मृत्यु नहीं होती है। इस मान्यता के अनुसार धनतेरस की शाम लोग आंगन में यम देवता के नाम पर दीप जलाकर रखते हैं।

महाभारत तथा पुराणों में विष्णु के अंश के रुप में उनका उल्लेख प्राप्त होता है। उनका प्रादुर्भाव समुद्रमंथन के बाद निर्गत कलश से अण्ड के रुप मे हुआ। समुद्र के निकलने के बाद उन्होंने भगवान विष्णु से कहा कि लोक में मेरा स्थान और भाग निश्चित कर दें। इस पर विष्णु ने कहा कि यज्ञ का विभाग तो देवताओं में पहले ही हो चुका है।

भारत में दीपावली केवल एक पर्व नही, बल्कि आस्था, संस्कृति और उत्सव का ऐसा संगम है जो सदियों से लोगों को एक सूत्र में पिरोता आया है। इस पर्व की मूल भावना में प्रकाश से अंधकार का अंत, अच्छाई की बुराई पर विजय और नए उत्साह के साथ जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का स्वागत निहित है। लेकिन समय के साथ इस पारंपरिक उत्सव के मायने भी बदलने लगे हैं। आज दीपावली सिर्फ पूजा, दीप और परिवार का त्योहार नहीं रही, बल्कि बड़े पैमाने पर उपभोक्तावादी बाजार का प्रतीक बन गई है।

दीपावली: परंपरा से बाजारवाद तक का सफर

आधुनिक तकनीक और बदलती जीवनशैली ने दीपावली को अधिक भव्य बना दिया है। बिजली की रंगीन लाइटों ने घरों को और अधिक जगमग कर दिया है, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ने खरीददारी को आसान बना दिया है और दूर दराज बैठे रिश्तेदारों से वर्चुअल जुड़ाव ने भौगोलिक दूरी को घटाया है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या इस बदलाव में हम अपनी जड़ों से दूर होते जा रहे हैं। दीपावली की रोशनी तभी पूर्ण होगी जब उसमें परंपरा और आधुनिकता का संतुलन हो

सिकंदर बंसल

बदलते दौर में दीपावली एक 'फेस्टिव सीजन' के रूप में देखी जाने लगी है, जहां धार्मिक भावनाओं से ज्यादा चर्चा खरीददारी, सजावट और विदेशी ब्रांड्स की होती है। दीपावली का शुभारंभ धनतेरस से होता है, जिसे समृद्धि और स्वास्थ्य का प्रतीक माना जाता है। भारतीय परंपरा में इस दिन भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्त्व है। पुराणों में उल्लेख मिलता है कि समुद्र मंथन के समय धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए इस दिन कलश, बरतन, सोना-चांदी या कोई नई वस्तु खरीदना शुभ माना जाता है। ऐसा विश्वास है कि इस दिन की गई खरीददारी से घर में लक्ष्मी का आगमन होता है और सुख-समृद्धि बनी रहती है। पुराने समय में लोग अपनी क्षमता के अनुसार मिट्टी के दीये, पीतल के बरतन या छोटी-छोटी उपयोगी वस्तुएं खरीदकर पारिवारिक परंपरा निभाते थे। धनतेरस का अर्थ केवल वस्तुएं खरीदना नहीं, बल्कि नए आरंभ का प्रतीक था, जीवन में नई ऊर्जा, समृद्धि और आशा के स्वागत का दिन। लेकिन अब यह पारंपरिक स्वरूप भी बाजारवाद की चकाचौंध में ढल गया है। धनतेरस पर आज सोने-चांदी से लेकर महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, गाडिय़ों और प्रॉपर्टी तक की खरीददारी की जाती है। शॉपिंग मॉल्स, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और बड़ी-बड़ी कंपनियां इस मौके को 'गोल्डन सेल' में बदल देती हैं।

2024 के आंकड़ों के अनुसार, केवल धनतेरस के दिन भारत में 30,000 करोड़ रुपए से अधिक की खरीददारी हुई। यह परंपरा के आधुनिक और व्यावसायिक रूप का स्पष्ट संकेत है। पिछले कुछ दशकों में दीपावली के स्वरूप में जो परिवर्तन आया है, वह हमारे समाज की बदलती जीवनशैली को भी दर्शाता है। एक समय था जब दीपावली की तैयारी हफ्तों पहले शुरू होती थी, घर की सफाई, दीयों को तैयार करना, रंगोली बनाना, अपने हाथों से मिठाइयां बनाना और पड़ोसियों से बांटना इस उत्सव का स्वाभाविक हिस्सा हुआ करता था। गांवों और कस्बों में सामूहिक उत्सव का माहौल होता था। आज वही दीपावली बड़े शहरों में ब्रांडेड सजावट, चमकदार लाइटों और मिठाइयों के रेडीमेड पैकेटों में सिमटती जा रही है। लोग पहले जहां अपने हाथों से घर सजाते थे, अब डेकोरेशन एजेंसियों को बुलाकर काम करवाते हैं। दीयों की जगह रंग-बिरंगी चाइनीज लाइटों ने ले ली है। देशी मिट्टी के दीयों की जगह सस्ते विदेशी लाइटिंग प्रोडक्ट्स बाजार में छा गए हैं। इससे न केवल पारंपरिक कारीगरों की आजीविका पर असर पड़ा है, बल्कि सांस्कृतिक पहचान भी धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है। एक अनुमान के अनुसार, दीपावली के दौरान भारत में 6,000 करोड़ रुपए से अधिक का चीनी सजावटी सामान बिकता है। इसी तरह मिठाइयों के स्थान पर ब्रांडेड चॉकलेट और गिफ्ट बॉक्स का चलन तेजी से बढ़ा है। बाजार में दीपावली अब 'कंज्यूमर फेस्टिवल' की तरह प्रस्तुत की जाती है। जहां एक ओर इस त्योहार की आर्थिक ताकत से व्यापार और उद्योग को गति मिलती है, वहीं दूसरी ओर पारंपरिक मूल्यों पर इसका असर भी नजर आता है। पहले दीपावली का अर्थ रिश्तों में मिठास और सामाजिक जुड़ाव होता था।

लोग एक-दूसरे के घर जाकर शुभकामनाएं देते थे, मिठाइयां और प्रेम बांटते थे। अब वही शुभकामनाएं मोबाइल संदेशों और सोशल मीडिया पोस्टों में सिमट गई हैं। रिश्तों में वह आत्मीयता और व्यक्तिगत स्पर्श धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है। धनतेरस और दीपावली अब छोटे व्यापारियों के लिए चुनौती भी बनते जा रहे हैं। विदेशी और बड़े ब्रांडों के दबदबे में स्थानीय मिट्टी के दीये बेचने वाले कुम्हार और घरेलू उत्पाद तैयार करने वाले कारीगर बाजार में पिछड़ जाते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स की छूट और चमकदार पैकेजिंग पारंपरिक बाजार को पीछे छोड़ देती है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचता है, जबकि विदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिलता है। यह भी सच है कि समय के साथ परिवर्तन स्वाभाविक होता है। आधुनिक तकनीक और बदलती जीवनशैली ने दीपावली को अधिक भव्य बना दिया है। बिजली की रंगीन लाइटों ने घरों को और अधिक जगमग कर दिया है, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ने खरीददारी को आसान बना दिया है और दूर दराज बैठे रिश्तेदारों से वर्चुअल जुड़ाव ने भौगोलिक दूरी को घटाया है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या इस बदलाव में हम अपनी जड़ों से दूर होते जा रहे हैं।

दीपावली की रोशनी तभी पूर्ण होगी जब उसमें परंपरा और आधुनिकता का संतुलन हो। विदेशी सजावटी सामानों के बजाय देशी दीयों और उत्पादों को प्राथमिकता दी जाए तो यह न केवल संस्कृति को संजोए रखने का कार्य होगा, बल्कि लाखों कारीगरों की आजीविका को भी सहारा मिलेगा। धनतेरस पर महंगी वस्तुएं खरीदने की होड़ लगाने के बजाय परंपरा का सम्मान करते हुए सादगी से उत्सव मनाया जा सकता है। अंतत: दीपावली केवल बाजार नहीं, एक भावना है। यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा हो, एक छोटा सा दीपक भी उसे मिटा सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम आधुनिकता को अपनाते हुए भी अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखें। इस पर्व को केवल खरीददारी और दिखावे का उत्सव न बनने दें, बल्कि इसे रिश्तों, परंपरा और मानवीय संवेदनाओं से जोड़ें। तभी दीपावली वास्तव में अपने उद्देश्य को पूरा कर पाएगी, अंधकार पर प्रकाश की विजय।

प्रकृति से तादायत का पर्व है दीपोत्सरव

प्रकृति में अमावस और पूनम परस्पमर पाक्षिक अंतराल में निश्चित हैं लेकिन संस्कृजति में अमावस और पूनम से परे जीवन की यात्रा अनिश्चित होती है। इसलिए जीवन की सार्थकता को पर्वों से आबद्ध करते हैं ।यह पर्व रिश्तों को परस्पीर जीवंत बनाते हैं। इनसे जुड़ी लोक कथाएं ने केवल मानवीय मूल्यों को पुष्टस करते हैं अपितु अंतर्मन को आंकाश की भांति मुक्तत करती हैं। यंत्रीकरण के इस दौर में अतीत के मिथक और कहानियाँ अधिक प्रासंगिक हो गई हैं ।जैसे प्रकृति ऋतु परिवर्तन को स्वीकार करती है, वैसे ही परंपराओं को सहेजने के लिए ही नहीं, अपितु वर्तमान आभासी दुनिया में अस्तित्व के लिए इनकी सहज अनुभूतियां अपरिहार्य हैं।

राकेश कुमार वर्मा

वस्तुात:दिवाली एक हिंदू त्यौहार है जिसका संबंध अयोध्या आगमन पर श्रीराम के स्वा्गत से है जो रावण पर विजय प्राप्ति से अधिक आंतरिक रावण अर्थात अहंकार पर विजय के महत्वध से है। दिवाली का आरंभ धनतेरस से होता है। यह स्वा स्यव औषधि के देवता धन्वैंतरि की पूजा सहित कीमती धातुओं की खरीदारी से संबंधित है। मानसून के बाद की फसल के मौसम से दिवाली की उत्पत्ति मानी गई है। इनका संबंध लक्ष्मीा से है। लक्ष्मी शब्दक लक्ष और अन्न (भोजन) से संबंधित होने के कारण इस प्रतीक का महत्वै हैं ।

दक्षिण भारतीय परंपराओं में, दिवाली समारोह का आयोजन अमावस्या की पूर्व संध्या पर, यानी 14वें दिन होता है। इसमें पत्नियाँ सुबह-सुबह अपने पतियों को तेल और इत्र से स्नान कराती हैं फिर, नारकासुर के विनाश का प्रतीक बनाने के लिए एक ककड़ी जैसे फल (करित) को कुचला जाता है। गोवा में, नारकासुर के पुतले जलाए जाते हैं, और सुबह-सुबह पटाखे फोड़े जाते हैं। इस प्रकार उत्तर और दक्षिण की परंपराएँ भिन्न हैं।

इसका संबंध श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर वध और इंद्र पराजय से भी है। दक्षिण में, यह विष्णु के वामन अवतार से और कृष्ण के छप्पृनभोग से संबंधित हैं। वहीं यह लक्ष्मी, काली पूजा अनुष्ठांन सहित भूतों की पूजा से भी संबंधित है ।इसके अतिरिक्तष दीवाली को विभिन्न रूपों में अन्य धर्मों के अनुयायियों द्वारा भी मनाया जाता है। जैन समुदाय तीर्थंकर महावीर स्वा मी की अंतिम मुक्ति के प्रतीक के रूप में तो मुगल जेल से गुरु हरगोबिंद की रिहाई के उपलक्ष्य सिख समुदाय इसे बंदी छोड़ दिवस के रूप में मनाते हैं । अन्य बौद्धों के विपरीत, नेवार बौद्ध , लक्ष्मी की पूजा करके दिवाली मनाते हैं, जबकि पूर्वी भारत और बांग्लादेश के हिंदू आमतौर पर देवी काली की पूजा करके दिवाली मनाते हैं । जैसे अन्य देशों में क्रिसमस मनाया जाता है, वैसे ही दिवाली खरीदारी उत्सव के रूप में विकसित हो गई है, जहाँ व्यावसायिक गतिविधियों के आगे धार्मिक पहलू गौण हो चुके हैं।

देश के पश्चिमी भाग में, व्यापारियों के बीच, दीवाली का उत्सव अमावस्या के दिन मनाया जाता है। इसमें एक नई बैलेंस शीट का उद्घाटन होता है। दीवाली के अगले दिन गोवर्धन पूजा के दौरान कृष्ण को 56 प्रकार के भोजन का भोग अर्पित किया जाता है। दो दिन बाद, यम, अपनी बहन यमी या यमुना से मिलते हैं। यमुना, नदी, सभी नदियों की तरह, लक्ष्मी से जुड़ी हुई है। यम, मृत्यु के देवता, मृतकों की दुनिया में फंसकर, चित्रगुप्त के माध्यम से, कर्मात्मक लेखांकन से जुड़ते है। इस प्रकार, बहन जो धन का प्रतीक है, अपने भाई के कल्याण की कामना करती है। दिवाली के बाद, बिहार में महिलाएँ छठ पर्व मनाती हैं।और देवउठनी के साथ विष्णु-तुलसी विवाह होता है । इसके बाद कार्तिक पूर्णिमा में, तिरूपुरा, असुरों के तीन शहरों को नष्ट करने के लिए शिव जी तीर चलाते हैं। दीवाली की अमावस्या का संबंध पाताल के राजा परमदानी बलि के उदय से भी है। अगले दिन वह पाताल लोक में प्रस्था्न करते है। उनका यह उदय और प्रस्थानन फसल वृद्धि और फसल कटाई से संबंधित है। असुर-राजा की उपस्थिति को दीवाली की अमावस्या की रात को खेले जाने वाले जुए के खेलों से चिह्नित किया जाता है। वैदिक काल में, नकारात्मक शक्तियों को राक्षसों से कम और पूर्वजों (पितृ) और भूतों से अधिक जोड़ा गया था।

इसलिए, भारत के पूर्वी हिस्सों में, दीवाली का संबंध आसुरों से नहीं, बल्कि मृतकों से है। दीवाली की पूर्व संध्या को भूत चतुर्दशी कहा जाता है, जहां 14 दीप जलाए जाते हैं और बंगाल में पूर्वजों के लिए 14 विभिन्न प्रकार के भोजन तैयार किए जाते हैं। दीवाली काली से जुड़ी हुई है। लक्ष्मी की पूजा पूर्णिमा की रात को 15 दिन पहले की जाती है। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ मंदिर में जनसैलाब एकत्र होता है। यहाँ, लोग श्राद्ध करते हैं और पूर्वजों को भोजन कराते हैं। वे पूर्वजों को पितृ-लोक की ओर लौटने का मार्ग दिखाने के लिए दीप प्रज्ज्वा लित करते हैं। जब जगन्नाथ रथ उत्सव समाप्त होता है तब पूर्वज पृथ्वी पर आते हैं और देवउठनी के साथ विदा होते हैं।

नवगठित सक्ती जिले ने प्रधानमंत्री आवास योजना में रचा नया कीर्तिमान

प्रदेश में तीसरे स्थान पर पहुँचा सक्ती जिला - 30 हजार से अधिक परिवारों को मिला पक्का घर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के नवगठित सक्ती जिले ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के सफल क्रियान्वयन में एक नया इतिहास रच दिया है। नवगठित जिला होने के बावजूद, सक्ती ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए वर्ष 2024-25 में 30 हजार 512 आवास पूर्ण कर प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि न केवल संख्यात्मक सफलता का प्रतीक है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन में आई स्थिरता, सुरक्षा और सम्मान की कहानी भी है, जिन्होंने वर्षों तक कच्चे और असुरक्षित मकानों में जीवन व्यतीत किया था।

कच्चे से पक्के घरों तक का सफर- सक्ती बना मिसाल: प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सक्ती जिले में अब तक वर्ष 2016 से 2023 तक कुल 44 हजार 319 आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया, जो 95: लक्ष्य प्राप्ति दर्शाता है। वहीं, वर्ष 2024-25 में 30 हजार से अधिक मकान पूर्ण कर जिले ने मिशन मोड में कार्य का उदाहरण प्रस्तुत किया है। हर ग़रीब का पक्का घर राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता रही है । मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छतीसगढ़ के सभी जिलों में

यह योजना प्रभावी ढंग से संचालित हुई। नियमित फील्ड विजिट, समयबद्ध वित्तीय सहायता, और हितग्राहियों के साथ सतत संवाद के परिणामस्वरूप यह उल्लेखनीय प्रगति संभव हुई।

टीमवर्क और जनसहभागिता से मिली सफलता: जिला पंचायत अध्यक्ष द्रौपदी कीर्तन चंद्रा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ÷हमारी प्राथमिकता रही है कि पात्र परिवारों तक योजना का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचे। टीमवर्क और ग्रामीणों के सहयोग से ही यह संभव हुआ है।÷ कलेक्टर ने कहा, ÷प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान निर्माण की योजना नहीं है, बल्कि यह हर ग्रामीण परिवार को सम्मानजनक जीवन देने का प्रयास है। सक्ती जिला इसी दिशा में सतत प्रगति कर रहा है।

वित्तीय पारदर्शिता और तेज क्रियान्वयन: वर्ष 2024-25 के लिए जिले को कुल 63 हजार 591 आवासों का लक्ष्य मिला, जिनमें से 52हजार 913 आवासों को स्वीकृति दी गई। निर्माण कार्य की गति बनाए रखने हेतु सरकार द्वारा तीन किश्तों में वित्तीय सहायता प्रदान की गई । पहली किश्त में 51हजार 427 हितग्राहियों को,दूसरी किश्त में 40 हजार 318 हितग्राहियों को और तीसरी किश्त में 25 हजार 65 हितग्राहियों को वित्तीय सहायता दी गई। समय पर किश्तें जारी होने से निर्माण कार्यों में तेजी आई और निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य पूरा किया जा सका।

गरीब परिवारों के जीवन में आया बदलाव: प्रधानमंत्री आवास योजना ने ग्रामीण अंचलों के गरीब परिवारों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास की नई किरण जगाई है। पक्के घरों के निर्माण से बच्चों को बेहतर पढ़ाई का माहौल मिला, बुजुर्गों को मौसम से सुरक्षा मिली और महिलाओं को घर-परिवार के संचालन में सुविधा हुई। यह योजना अब केवल आवास निर्माण कार्यक्रम नहीं रह गई है, बल्कि यह ग्रामीण भारत के सामाजिक सशक्तिकरण का प्रतीक बन चुकी है।

मोर आवास, मोर अधिकार पोर्टल –पारदर्शिता की दिशा में पहल: शासन द्वारा प्रारंभ किया गया ÷मोर आवास, मोर अधिकार÷ पोर्टल हितग्राहियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। इसके माध्यम से कोई भी पात्र व्यक्ति अपने आवेदन की स्थिति और पात्रता की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकता है, जिससे योजना में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना की समय पर किस्त जारी: प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत हितग्राहियों को कुल 1 लाख 20 हजार की सहायता राशि तीन किश्तों में प्रदान की जाती है जिसके अन्तर्गत प्रथम किश्त में 40हजार, द्वितीय किश्त में 55 हजार और तृतीय किश्त में 25 हजार रुपए की सहायता राशि दी जाती है। इसका उद्देश्य है कि कोई भी ग्रामीण परिवार बेघर न रहे और प्रत्येक पात्र हितग्राही को सुरक्षित, टिकाऊ और सम्मानजनक आवास प्राप्त हो सके।

गुहा राम निषाद का सपना हुआ साकार

प्रधानमंत्री आवास योजना से उन्हें मिला सम्मान और आत्मनिर्भरता की नई रोशनी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कच्चे घर की मिट्टी निकालते समय गुहा राम निषाद का अचानक पैर फिसलने से वह 10 फीट नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दुर्घटना ने न केवल उनकी शारीरिक क्षमता छीन ली, बल्कि उनकी सारी जमा-पूंजी भी इलाज में खर्च हो गया। वर्षो से अपनी पत्नी के साथ अकेले रह रहे गुहा राम निषाद के लिए घर बनाना अब एक असंभव सपना बन चुका था। ऐसे समय में निषाद अपने जीवन की सबसे बड़ी खुशी का अनुभव तब हुआ जब उसे प्रधानमंत्री आवास मिला। गरियाबंद जिला के फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम पंचायत रोहिना के आश्रित ग्राम सेम्हराडीह निवासी 73 वर्षीय गुहा राम निषाद के जीवन में इस एक हादसे ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी थी, जिससे वह निराश रहने लगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी गई, जिसमें गुहा राम निषाद का नाम भी शामिल हुआ। इस योजना के अंतर्गत उन्हें पक्का आवास मिला, जिसने उनके जीवन में नई उम्मीद और सुरक्षा का संचार किया।

गुहा राम भावुक होकर कहते हैं ÷मैं अब चलने में सक्षम नहीं हूं, डंडे के सहारे चलता हूं। घर बनाना तो दूर, एक ईट उठाना भी मेरे बस की बात नहीं थी। पर मुख्यमंत्री जी और प्रधानमंत्री जी की देन से आज मेरे सिर पर पक्का छत है। सरकार की इस जनकल्याणकारी योजना ने न केवल एक बुजुर्ग विकलांग व्यक्ति को सुरक्षित आश्रय दिया, बल्कि उनके जीवन में सम्मान और आत्मनिर्भरता की नई रोशनी भी मिली है।

अब राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष बंद

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा रायपुर स्थित क्षेत्रीय उपायुक्त, भू-अभिलेख कार्यालय, गांधी चौक मे राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई थी। अब भारत सरकार मौसम विज्ञान विभाग, मौसम केन्द्र लालपुर रायपुर के द्वारा दी गई जानकारी राज्य के अनुसार 16 अक्टूबर को संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य से दक्षिण-पश्चिम मानसून 2025 की वापसी हो गई है, इसके फलस्वरूप राज्य शासन द्वारा राज्य स्तरीय बाढ नियंत्रण कक्ष अब आज 17 अक्टूबर 2025 से बंद कर दिया गया है।

झूरा जलाशय एवं खडगवां जलाशय योजना के कार्यों के लिए 6.11 करोड़ रुपये स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा मनेन्द्रगढ-चिरमिरी-भरतपुर जिले की दो सिंचाई योजना के कार्यों के लिए 6 करोड़ 13 लाख 34 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। स्वीकृत कार्यों में विकासखण्ड-मनेन्द्रगढ़ की झुरा जलाशय के नहरों की जीर्णोद्धार कार्य हेतु 4 करोड़ 20 लाख 92 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। इसी तरह से विकासखण्ड-खड़गवां जलाशय योजना के नहर की जीर्णोद्धार कार्य हेतु 1 करोड़ 93 लाख 42 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। योजना के कार्य को कराने के लिए जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार, जल संसाधन विभाग अम्बिकापुर को प्रशासकीय स्वीकृति किये गये हैं।

आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता का मजबूत आधार बना-मत्स्य पालन

ग्रामीण समृद्धि की नई पहचान, तकनीक और परिश्रम से तरक्की की सफर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती महोत्सव 2025 का यह विशेष वर्ष, प्रदेश के समग्र विकास की गौरवशाली गाथा को रेखांकित करता है। इन 25 वर्षों में प्रदेश के सभी विभागों ने जनकल्याण और सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। इनमें बिलासपुर जिला का मत्स्य पालन विभाग एक ऐसी मिसाल बनकर उभरा है, जिसने जल संसाधनों के माध्यम से गांव-गांव में आजीविका, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता की मजबूत नींव रखी।

वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ, उस समय बिलासपुर जिले में मछली पालन मुख्यतः पारंपरिक विधियों तक सीमित था। ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालन एक सहायक आजीविका के रूप में देखा जाता था। केवल 3 हजार 333 तालाब मछली पालन के लिए पट्टे पर दिए गए थे और मत्स्य उत्पादन 21 हजार 120 मीट्रिक टन था। विगत 25 वर्षों में मत्स्य पालन विभाग, बिलासपुर ने योजनाबद्ध प्रयासों और नवाचारों के माध्यम से इस क्षेत्र को नई दिशा दी है। आज जिले में 4 हजार 946 तालाब मछली पालन के लिए उपयोग में हैं। पट्टे पर जल क्षेत्र की सीमा 5 हजार 679 हेक्टेयर से बढ़कर 10 हजार 960 हेक्टेयर तक पहुँच गई है। ग्रामीण तालाबों की संख्या 227 से बढ़कर 4 हजार 884 हो चुकी है। इस विस्तार का सबसे बड़ा प्रभाव मत्स्य उत्पादन पर पड़ा है, जो अब 48 हजार 488 मीट्रिक टन तक पहुँच गया है।

यह केवल आँकड़ों की प्रगति नहीं है, बल्कि यह उन हजारों मछुआ परिवारों की समृद्धि का सूचक है, जिनके जीवन में इन योजनाओं ने स्थायित्व और सम्मान जोड़ा। जिले में मत्स्य पालन को वैज्ञानिक एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण से विकसित करने हेतु कई नवीन विधियों को अपनाया गया है। इसमें प्रमुख हैं- प्लेकटान ग्रोवर तकनीक-810 इकाइयाँ, झींगा पालन इकाइयाँ-517, केज कल्चर यूनिट्स-436, बायोफ्लॉक एवं पॉन्ड लाइनर पद्धति-जिनसे उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में सुधार हुआ। इन आधुनिक पद्धतियों ने विशेष रूप से छोटे कृषकों और युवाओं को आकर्षित किया है, जो अब मत्स्य पालन को एक लाभकारी उद्यम के रूप में देख रहे हैं।

मत्स्य पालन विभाग ने यह सुनिश्चित किया कि योजनाओं का लाभ हर मछुआरे तक पहुँचे। आज जिले में 8 हजार 980 से अधिक हितग्राही बीमा सुरक्षा और बचत सह राहत योजना जैसी योजनाओं से लाभान्वित हो चुके हैं। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से वित्तीय सहायता की पहुँच को भी सुलभ बनाया गया है।

वर्ष 2016 में तोरवा क्षेत्र में राष्ट्रीय मत्स्यकी विकास बोर्ड की सहायता से 1 करोड़ रूपए की लागत से छत्तीसगढ़ का पहला हाइटेक फिश मार्केट विकसित किया गया। इसमें 15 थोक दुकानें, 27 फुटकर दुकानें, आइस प्लांट और सजीव मछली विक्रय जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यह बाजार न केवल व्यवसायिक केंद्र बना, बल्कि मछली विक्रेताओं को सम्मानजनक मंच भी प्रदान करता है। परंपरागत जल स्त्रोतों के साथ-साथ नदी आधारित मत्स्य पालन को भी सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया गया है।

नवगठित सक्ती जिले ने प्रधानमंत्री आवास योजना में रचा नया कीर्तिमान

प्रदेश में तीसरे स्थान पर पहुँचा सक्ती जिला - 30 हजार से अधिक परिवारों को मिला पक्का घर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के नवगठित सक्ती जिले ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के सफल क्रियान्वयन में एक नया इतिहास रच दिया है। नवगठित जिला होने के बावजूद, सक्ती ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए वर्ष 2024-25 में 30 हजार 512 आवास पूर्ण कर प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि न केवल संख्यात्मक सफलता का प्रतीक है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन में आई स्थिरता, सुरक्षा और सम्मान की कहानी भी है, जिन्होंने वर्षों तक कच्चे और असुरक्षित मकानों में जीवन व्यतीत किया था।

कच्चे से पक्के घरों तक का सफर- सक्ती बना मिसाल: प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सक्ती जिले में अब तक वर्ष 2016 से 2023 तक कुल 44 हजार 319 आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया, जो 95: लक्ष्य प्राप्ति दर्शाता है। वहीं, वर्ष 2024-25 में 30 हजार से अधिक मकान पूर्ण कर जिले ने मिशन मोड में कार्य का उदाहरण प्रस्तुत किया है। हर ग़रीब का पक्का घर राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता रही है । मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छतीसगढ़ के सभी जिलों में

यह योजना प्रभावी ढंग से संचालित हुई। नियमित फील्ड विजिट, समयबद्ध वित्तीय सहायता, और हितग्राहियों के साथ सतत संवाद के परिणामस्वरूप यह उल्लेखनीय प्रगति संभव हुई। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती द्रौपदी कीर्तन चंद्रा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ÷हमारी प्राथमिकता रही है कि पात्र परिवारों तक योजना का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचे। टीमवर्क और ग्रामीणों के सहयोग से ही यह संभव हुआ है।÷ कलेक्टर ने कहा, ÷प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान निर्माण की योजना नहीं है, बल्कि यह हर ग्रामीण परिवार को सम्मानजनक जीवन देने का प्रयास है। सक्ती जिला इसी दिशा में सतत प्रगति कर रहा है।÷

वर्ष 2024-25 के लिए जिले को कुल 63 हजार 591 आवासों का लक्ष्य मिला, जिनमें से 52हजार 913 आवासों को स्वीकृति दी गई। निर्माण कार्य की गति बनाए रखने हेतु सरकार द्वारा तीन किश्तों में वित्तीय सहायता प्रदान की गई । पहली किश्त में 51हजार 427 हितग्राहियों को,दूसरी किश्त में 40 हजार 318 हितग्राहियों को और तीसरी किश्त में 25 हजार 65 हितग्राहियों को वित्तीय सहायता दी गई। समय पर किश्तें जारी होने से निर्माण कार्यों में तेजी आई और निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य पूरा किया जा सका।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने ग्रामीण अंचलों के गरीब परिवारों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास की नई किरण जगाई है। पक्के घरों के निर्माण से बच्चों को बेहतर पढ़ाई का माहौल मिला, बुजुर्गों को मौसम से सुरक्षा मिली और महिलाओं को घर-परिवार के संचालन में सुविधा हुई। यह योजना अब केवल आवास निर्माण कार्यक्रम नहीं रह गई है, बल्कि यह ग्रामीण भारत के सामाजिक सशक्तिकरण का प्रतीक बन चुकी है।

शासन द्वारा प्रारंभ किया गया ÷मोर आवास, मोर अधिकार÷ पोर्टल हितग्राहियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। इसके माध्यम से कोई भी पात्र व्यक्ति अपने आवेदन की स्थिति और पात्रता की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकता है, जिससे योजना में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत हितग्राहियों को कुल 1 लाख 20 हजार की सहायता राशि तीन किश्तों में प्रदान की जाती है जिसके अन्तर्गत प्रथम किश्त में 40हजार, द्वितीय किश्त में 55 हजार और तृतीय किश्त में 25 हजार रुपए की सहायता राशि दी जाती है। इसका उद्देश्य है कि कोई भी ग्रामीण परिवार बेघर न रहे और प्रत्येक पात्र हितग्राही को सुरक्षित, टिकाऊ और सम्मानजनक आवास प्राप्त हो सके।

संगिनी के दिवाली उपहारों की धूम -बिहान की दीदियों ने तैयार किए संगिनी ब्रांड के आकर्षक गिफ्ट हैम्पर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। दीपावली जैसे प्रमुख त्यौहार के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत कार्यरत जिला सक्ती की महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नई मिसाल पेश की है। ग्राम पलाड़ीखुर्द की राधा कृष्ण स्व-सहायता समूह की सदस्याएं अपने संगिनी ब्रांड के अंतर्गत आकर्षक गिफ्ट हैम्पर तैयार कर रही हैं, जिनमें विभिन्न प्रकार के सुगंधित एवं डिज़ाइनर मोम उत्पाद शामिल हैं।

यह अभिनव पहल महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और रोज़गार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। जिला प्रशासन सक्ती द्वारा दीदियों को उत्पाद निर्माण, पैकेजिंग और विपणन के लिए निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। समूह की सदस्य श्रीमती पुष्पा दीदी ने बताया कि समूह द्वारा त्यौहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए राखी, रंगोली, आचार, गुलाल, तथा मोम उत्पाद जैसे विविध वस्तुओं का निर्माण किया जाता है। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों से हमें न केवल आर्थिक लाभ मिला है बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ा है। पुष्पा दीदी ने आगे बताया कि समूह की दीदियों ने पूर्व में आर-सेटी से डिज़ाइनर कैंडल बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया था। इसके बाद यूट्यूब वीडियो के माध्यम से गिफ्ट हैम्पर तैयार करने का विचार आया। इस समय जिले की विभिन्न इंडस्ट्रीज और संस्थानों से गिफ्ट हैम्पर के ऑर्डर प्राप्त हुए हैं, जिनकी आपूर्ति दीदियों द्वारा समय पर और आकर्षक पैकेजिंग में की जा रही है। इस पहल से समूह को लगभग 1 लाख 50 हजार से 2 लाख रुपये तक का व्यवसाय प्राप्त होने की संभावना है। इन्हें अभी तक लगभग 60 हज़ार रुपए के गिफ्ट हैंपर के ऑर्डर मिल चुके हैं । यह प्रयास ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्हें स्थायी आजीविका और उद्यमिता के नए अवसर प्रदान कर रहा है।

डी.जी.पी., आई.जी.पी. के राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की तैयारियां शुरू

28 से 30 नवंबर तक रायपुर में होगा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 28 से 30 नवंबर तक तीन दिवसीय डी.जी.पी. और आई.जी.पी. का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में देश के सभी राज्यों के गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी.) और पुलिस महानिरीक्षक (आई.जी.पी.) शामिल होंगे। सम्मेलन का आयोजन आई.आई.एम., नवा रायपुर में किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन की तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव विकासशील ने आज मंत्रालय (महादनी भवन) में उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को सम्मेलन की सभी तैयारियों को समय पर पूर्ण करने और उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने बताया कि इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने आयोजन की सुचारु व्यवस्था के लिए विभिन्न नोडल अधिकारियों की तत्काल नियुक्ति करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव ने सम्मेलन स्थल पर आने वाले डेलीगेट्स के आवागमन, सुरक्षा, चिकित्सा सुविधा एवं आवास व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने रायपुर के सर्किट हाउस, प्रशासन अकादमी और अन्य स्थानों पर अतिथियों के लिए उच्च स्तरीय सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, प्रमुख पुलिस अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, एन.आर.डी.ए., संस्कृति विभाग सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

घर की छत बनी मिनी पावर हाउस- ओमप्रकाश

बिजली बिल से मिली राहत बना आत्मनिर्भर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। यदि संकल्प और सही दिशा में की गई पहल साथ हो, तो बदलाव अवश्य संभव है। पहले हर महीने 10 से 12 हजार रुपये तक का बिजली बिल भरने वाले श्री गुप्ता अब प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लाभ से पूरी तरह ऊर्जा आत्मनिर्भर बन चुके हैं। जांजगीर-चांपा जिले के व्हीआईपी सिटी निवासी श्री ओमप्रकाश गुप्ता ने यह साबित कर दिखाया है। श्री गुप्ता के घर की छत पर 5 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल सिस्टम लगाया गया है, जो अब उनके घर की पूरी बिजली जरूरतों को पूरा करता है। सौर ऊर्जा से संचालित यह व्यवस्था न केवल उनके घर को रोशन करती है, बल्कि परिवार पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी कम कर चुका है। उन्होंने बताया कि पहले बिजली बिल चुकाना हर महीने एक बड़ी चुनौती बन जाती थी, जिससे घरेलू खर्चों पर भी असर पड़ता था। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने तुरंत आवेदन किया। ऑनलाइन और पारदर्शी प्रक्रिया की वजह से बिना किसी परेशानी के थोड़े ही समय में उनके घर पर सोलर पैनल स्थापित हो गया। घर के सभी उपकरण सौर ऊर्जा से संचालित होते हैं और उन्हें बिजली बिल की कोई चिंता नहीं रहती। हर महीने लगभग 10 से 12 हजार रुपये की बचत से उन्हें आर्थिक राहत मिली है, साथ ही पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की खुशी भी है।

स्व-सहायता समूहों की मेहनत में रंग भर रहा है बिहान बाजार

मिट्टी के दिए सहित विभिन्न उत्पादों की बिक्री के लिए लगाया जा रहा है अलग-अलग स्टॉल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। दीपावली का त्यौहार नजदीक आते ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों की महिलाएं मिट्टी के दिए बनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। साथ ही समूह की महिलाएं आजिविका के लिए विभिन्न उत्पादों जैसे रंगोली, बांस से निर्मित सामग्रियां सहित अन्य हस्त निर्मित उत्पाद तैयार कर आजार में बेचने ला रही हैं। प्रशासन की पहल से रजत जयंती के अवसर पर इन उत्पादों को स्थानीय बाजार उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है।

समूहों के द्वारा 5500 से अधिक मिट्टी के दिये तैयार: बलरामपुर जिले के जिगड़ी ग्राम पंचायत में सक्रिय महिला स्व-सहायता समूह ने इस बार लगभग 5500 से अधिक मिट्टी के दिए तैयार किए हैं। पहले ये महिलाएं केवल घरेलू उपयोग के लिए दिए बनाती थीं, लेकिन अब जिला प्रशासन और ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से इन्हें व्यावसायिक रूप दिया गया है। राजपुर की जय मां अम्बे स्व-सहायता समूह और बलरामपुर की ज्योति समूह की दीदियां दिन-रात लगन से दिए तैयार कर रही हैं। इन दोनों समूह में 10-10 दीदियां शामिल हैं। समूह की अध्यक्ष

सलिता गुप्ता बताती हैं कि पहले दीपावली पर बाहर से दिए खरीदते थे, अब हम खुद बना रहे हैं और बेच भी रहे हैं, ये हमारे लिए आत्मनिर्भर बनने का नया रास्ता मिला है।

रंगों और सुन्दर आकृतियों से सजाया गया दिया: समूह की महिलाएं कहती हैं कि दीयों को बनाने में प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जा रहा है। समूह की महिलाओ के द्वारा सुंदर डिज़ाइनों, रंगों और आकृतियों में सजाया गया हैं। साथ ही आकर्षक तरीके से पैकेजिंग की गई है। इससे एक ओर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय हस्त कला को भी नई पहचान मिल रही है। महिला स्व-सहायता समूह में कार्यरत महिलाओ ने लगभग 5500 तैयार किए गए दिए और प्रशासन द्वारा उनके लिए बिक्री स्थल हेतु उपलब्ध कराया गया है। स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए जिला स्तर पर मार्केटिंग की व्यवस्था की गई है, जिसमें जिला प्रशासन द्वारा जगह-जगह 16 से 19 अक्टूबर तक बिहान बाजार लगाया जा रहा है। जहां स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों की बिक्री के लिए अलग-अलग स्टॉल लगाए गए हैं।

सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत

नलखेड़ा मां बगलामुखी दर्शन कर कार से लौट रहे थे, एक गंभीर घायल

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन में देर रात एक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल है। चारों युवक मां बगलामुखी माता के दर्शन कर कार से लौट रहे थे, तभी उनकी कार रॉन्ग साइड से आ रहे कंटेनर से टकरा गई। कंटेनर अलिसा फूड कंपनी का है। इस घटना में मृत आदित्य पंड्या और अभय पंडित ममेरे भाई थे।

हादसे में 3 की मौत, 1 घायल

हादसे में जान गंवाने वाले तीनों युवक बड़नगर के रहने वाले थे। मृतकों में आदित्य पंड्या (22, एमबीए छात्र, मसवाड़िया निवासी, इंगोरिया के पास), अभय पंडित (20, पासलोद इंगोरिया) और राजेश रावल (50, पंडिताई करते थे, वर्तमान में गरिराज, उज्जैन निवासी) शामिल हैं, तीनों का पीएम कराया जा रहा है।

गंभीर रूप से घायल शैलेंद्र आचार्य (20, उज्जैन, गायत्री नगर) को पाटीदार अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों को उज्जैन जिला अस्पताल ले गई। अभी डंपर चालक फरार हैं, जिसकी तलाश की जा रही है।

क्रेन से निकाली कार

घट्टिया थाना प्रभारी करण कुमार ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों-मृतकों को कार से निकला। सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां मृतकों का पोस्ट मार्टम कराया जा रहा है।

मृतकों के परिजनों से मिलने पहुंचे विधायक

घट्टिया विधायक सतीश मालवीय मृतकों के परिजनों से मिलने पहुंचे और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने बताया कि घट्टिया के जैथल के नजदीक रात 12¬30 बजे के करीब एक्सीडेंट हुआ है। बड़ी दुखद घटना है। तीन युवकों की मौत हुई है। उसमें एक एमबीए का भी स्टूडेंट था। परिजनों से मिलने आया हूं।

बॉडी परिजनों को सौंप रहे हैं

जिला अस्पताल के डॉ. विक्रम रघुवंशी ने बताया कि युवक मां बगलामुखी का दर्शन करके लौट रहे थे। घट्टिया के पास चौराहे पर कोई कंटेनर रॉन्ग साइड आया। जिससे भिड़ंत होने से तीन की मौत हो गई है, जबकि एक गंभीर घायल है। मृतकों का पोस्ट मार्टम कराकर बॉडी परिजनों को सौंप रहे हैं।

आदिवासी छात्रा से छेड़छाड़ और गुंडागर्दी

युवती पर धर्म बदलने का बनाया दबाव; आरोपी समीर खान गिरफ्तार

समीर खान, आरोपी

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में हॉस्टल में रहने वाली एक आदिवासी छात्रा के साथ छेड़छाड़ और धर्म बदलने के लिए दबाव बनाने का मामला सामने आया है। 19 साल की छात्रा ने आरोप लगाया कि आरोपी समीर खान ने उसका हाथ पकड़कर छेड़छाड़ की। उस पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया।

पीड़िता का कहना है कि समीर पिछले एक महीने से उसका पीछा कर रहा था और उस पर मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए दबाव डाल रहा था ताकि वह उससे शादी कर सके। छात्रा की शिकायत पर मोघट रोड थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

सरेराह आरोपी ने गुंडागर्दी और छेड़छाड़ की

पीड़िता के अनुसार, वह शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे आनंदनगर मेन रोड पर से जा रही थी, तभी समीर खान बाइक से वहां पहुंचा। आरोपी ने पीड़िता का हाथ पकड़ लिया और कहा कि वह तब उसका पीछा करना छोड़ेगा जब वह हिंदू धर्म छोड़कर मुस्लिम बन जाएगी और उससे शादी करेगी। छात्रा ने समीर के प्रस्ताव को ठुकरा दिया, जिसके बाद समीर ने उसे जान से मारने की धमकी दी और जातिसूचक गालियां दी।

एक महीने से कर रहा था परेशान

पीड़िता ने बताया कि समीर खान पिछले एक महीने से उसे परेशान कर रहा था। वह कॉलेज आते-जाते समय उसका पीछा करता था और उस पर शादी करने का दबाव बनाता था। पहले तो समीर की हरकतों को नजरअंदाज किया, लेकिन जब उसने सरेराह छेड़छाड़ की तो उसने अपने माता-पिता को इस बारे में बताया।

हिंदू जागरण मंच ने किया विरोध

घटना की जानकारी मिलते ही हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता पीड़िता के साथ थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक माधव झा ने कहा कि यह घटना निंदनीय है और पुलिस को आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

शिकायत के आधार पर मोघट रोड पुलिस ने आरोपी समीर खान के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट, छेड़छाड़ और मप्र धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 के तहत मामला दर्ज किया।

अवैध निर्माण रोकने गए पटवारी से धक्का-मुक्की :करीला में आरोपी अवैध रूप से मकान का निर्माण करा रहे थे

सागर, एजेंसी। सागर में मोतीनगर थाना क्षेत्र के करीला एरिया में अवैध रूप से मकान निर्माण करने से रोकने पर पटवारी के खिलाफ गालीगलौज कर अभद्रता की गई। धक्का-मुक्की भी की गई। मामले में पटवारी ने थाने पहुंचकर शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

अवैध मकान निर्माण रोकने गए थे

पुलिस के अनुसार, फरियादी शिवजीत सिंह निवासी गुरू अमरदास नगर भैंसा पटवारी हल्का नंबर-66 ने थाने में शिकायती आवेदन दिया। आवेदन में बताया कि 10 अक्टूबर को हल्के के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि खसरा नंबर-38 (शासकीय) और 39 (ढ्ढझ्ढ) सागर अमरीन स्कूल के पास भूमि पर भुप्पन यादव और आरती का अवैध रूप से मकान बनाकर निर्माण किया जा रहा था।इसके बाद तत्काल मौके की रिपोर्ट दूरसंचार और प्रतिवेदन के माध्यम से तहसीलदार को दी गई। तहसीलदार ने पत्र के माध्यम से स्थान आदेश पारित किया। निर्माण पर रोक पर स्थायी निषेधाज्ञा जारी का लेख किया गया। लेकिन इनके द्वारा निर्माण कार्य जारी रखा गया।

धक्का मुक्की करने वाले आरोपियों पर केस दर्ज

16 अक्टूबर को दोबारा पाया गया कि भुप्पन यादव और आरती उक्त निर्माण साइड पर मिले।

जब उनसे कहा गया कि निर्माण कार्य नहीं करना तो भुप्पन यादव व आरती ने गालीगलौज शुरू कर दी। धक्का-मुक्की करने लगे। आरती ने जनप्रतिनिधि को भी अभद्र गाली दी। शिकायत पर पुलिस ने शासकीय कार्य में बांधा समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

डिंडौरी में महिलाओं ने वाटर फिल्टर प्लांट में लगाया ताला

पानी की अनियमित आपूर्ति से नाराज, सड़क जाम की चेतावनी

डिंडौरी, एजेंसी। डिंडौरी में शनिवार को वार्ड क्रमांक 15 की महिलाओं ने नगर परिषद के वाटर फिल्टर प्लांट में तालाबंदी कर दी। सूचना मिलने पर सीएमओ अमित तिवारी कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे। महिलाओं ने पानी की अनियमित आपूर्ति को लेकर अपनी नाराजगी जताई। अधिकारियों के आश्वासन के बाद महिलाओं ने ताला खोला।

वार्ड में नियमित पानी की नहीं हो रही आपूर्ति

विरोध कर रही महिलाओं, जिनमें ओमवती वनवासी, रोशनी साहू और सरिता झरिया शामिल थीं, ने बताया कि नगर पालिका वार्ड में नियमित पानी की आपूर्ति नहीं कर रही है। उनके अनुसार, नल कभी-कभी थोड़े समय के लिए ही चलते हैं, जिससे वे दैनिक उपयोग के लिए भी पानी नहीं भर पातीं। उन्होंने दीपावली के त्योहार से पहले पानी की कमी से हो रही परेशानी का भी जिक्र किया।

व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर सड़क जाम करेंगी

महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पानी की व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे सड़क जाम करेंगी। इस पर सीएमओ अमित तिवारी ने कहा कि वार्ड प्रभारी की जिम्मेदारी है कि वे वार्ड में पानी, बिजली और सफाई व्यवस्था पर नजर रखें और समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने कर्मचारियों को समय पर पानी सप्लाई करने की हिदायत दी और भविष्य में कार्रवाई की बात कही।

किसानों को 5 बोरी खाद पर नैनो यूरिया

किसान बोले : जरूरत नहीं, फिर भी लेना पड़ रहा; सरकारी निर्देशों का हिस्सा बता रहे अधिकारी

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले में रबी सीजन की बुवाई से पहले किसानों को डीएपी खाद के साथ जबरन नैनो यूरिया खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विपणन केंद्रों पर किसानों को 5 बोरी डीएपी खरीदने पर 220 रुपए कीमत की एक बोतल नैनो यूरिया अनिवार्य रूप से दी जा रही है।

किसानों का कहना है कि उन्हें अभी इसकी जरूरत नहीं है, फिर भी शर्त के कारण लेना पड़ रहा है। वहीं, अधिकारी इसे नैनो यूरिया को बढ़ावा देने के लिए मिले सरकारी निर्देशों का हिस्सा बता रहे हैं। किसान बोले- हमारी कोई नहीं सुन रहा

बिष्टान दामखेड़ा के किसान दशरथ राठौर देवली ने बताया कि विपणन केंद्र के गोदाम पर उन्हें जबरन नैनो लिक्विड लेना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि उन्हें रबी की तैयारी के लिए डीएपी की सख्त जरूरत है, लेकिन यह तभी मिल रहा है जब वे साथ में नैनो यूरिया खरीद रहे हैं। उनकी शिकायतों पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। किसानों ने यह भी बताया कि नैनो यूरिया का नाम मुख्य बिल पर नहीं लिखा जा रहा, हालांकि उसकी कीमत पर्ची पर जरूर लिखी होती है।

अधिकारी बोले- शासन के निर्देश हैं

इस मामले में अधिकारी शासन स्तर से मिले निर्देशों का हवाला दे रहे हैं। उनका कहना है कि नैनो यूरिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसके उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। गोदाम प्रभारी घनश्याम मंडावी ने पुष्टि की कि वे शासन के निर्देश पर ही 5 बोरी डीएपी या यूरिया के साथ एक बोतल नैनो यूरिया दे रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि हमालों से संबंधित समस्याओं से बचने के लिए नैनो यूरिया को मुख्य पर्ची पर नहीं दर्शाया जा रहा है।

गोदाम में इतना स्टॉक है उपलब्ध

जिला मुख्यालय स्थित विपणन केंद्र के गोदाम में वर्तमान में 46 टन डीएपी, 91 मीट्रिक टन यूरिया और 30 पेटी नैनो यूरिया उपलब्ध है। इसके बावजूद किसानों को शर्तों के साथ खाद दी जा रही है।

120 किलो नकली मावा जब्त, बस और मावा बुलाने वाले की नहीं हो पाई पहचान

नर्मदापुरम, एजेंसी। दीपावली त्योहार पर बाजार में बिकने नकली और सिंथेटिक मावे की खेप बड़ी मात्रा में दूसरे शहरों से पहुंच रही। जिससे देखते हुई प्रशासन की टीम मिष्ठान दुकान, होटल और बसों की चैकिंग कर रही। शुक्रवार रात को भी एसडीएम के नेतृत्व में खाद्य विभाग की टीम ने 120 किलो नकली अमानक मावा जब्त किया। नकली मावा भोपाल से नर्मदापुरम बस से आया था। जिसे पकड़ने के लिए टीम मौके पहुंची। लेकिन बस स्टॉफ को पहले चैकिंग की भनक लग गई। जिस वजह से बस स्टैंड से 200फीट दूर पुराने आरटीओ ऑफिस के सामने बस स्टॉफ ने लावारिस तरह से मावा छोड़ भाग निकला। जिसे टीम केवल लावारिस तरह से पड़े अमानक मावा को जब्त कर पाई। किस बस से मावा आया और मावा किसने बुलाया था। उसकी पहचान टीम नहीं कर पाई।

एसडीएम नीता कोरी ने बताया त्यौहार पर नकली और सिंथेटिक अमानक मावे और उससे बनी खानपान सामग्री बिकने आती है। लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए नकली और सिंथेटिक अमानक मावे को बाजार में बिकने से रोकने की टीम कोशिश करती है। शुक्रवार रात को 5 क्विंटल मावे की सूचना थी।

इसी के चलते खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह राणा, कमलेश दियाबार, तहसीलदार सरिता मालवीय, बस स्टैंड पर पहुंचे। बसों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान लावारिस तरह से पैक अमानक स्तर का मावा जमीन पर रखा मिला। जो करीब 120किलो है। जिसे जब्त कर लिया। मावा कहा से और किसने बुक किया। इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। बस की भी पहचान नहीं हो पाई है। कार्रवाई के दौरान एसडीएम नीता कोरी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह राणा, कमलेश दियाबार, तहसीलदार सरिता मालवीय आरआई और पटवारी मौजूद रहे।

मंडी में 6682 क्विंटल धान की आवक

किसानों ने उपज बेचकर बाजार में की जमकर खरीदारी

रायसेन, एजेंसी। रायसेन शहर का बाजार इस बार धनतेरस और दिवाली से पहले धान की फसल से सराबोर दिखा। कृषि उपज मंडी में शुक्रवार को 6682 क्विंटल धान की आवक दर्ज की गई। इतनी बड़ी आवक के बाद किसानों ने अपनी उपज बेचकर जमकर खरीदारी की, जिससे स्थानीय बाजार में रौनक लौट आई और व्यापारियों के चेहरों पर खुशी झलकने लगी।

न्यूनतम 1080 और अधिकतम 3081 रुपये प्रति क्विंटल रहा भाव

मंडी परिसर में पूसा बासमती धान की खुशबू फैल गई। व्यापारियों ने धान की खरीदी न्यूनतम 1080 रुपये और अधिकतम 3081 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर की। यह आवक इस सीजन की शुरुआती बड़ी आवकों में से एक मानी जा रही है।

किसानों ने उपज बेचकर की दिवाली की खरीदारी

उपज बेचने के बाद किसान सीधे बाजार पहुंचे और धनतेरस व दिवाली के लिए जरूरी वस्तुओं की खरीदारी की। इससे शहर के बाजारों में रौनक बढ़ गई और दुकानदारों का कारोबार भी अच्छा हुआ।

दिवाली के बाद और बढ़ेगी आवक

शुरुआती दौर में ही दूर-दराज के गांवों से किसान धान लेकर मंडी पहुंच रहे हैं। व्यापारी मनोज सोनी ने बताया कि पूसा बासमती धान की आवक अब लगातार बढ़ रही है। दिवाली के बाद आवक में और तेजी आने की उम्मीद है। शुक्रवार को पूरे मंडी परिसर में धान के ढेर नजर आए।

नन्हें बच्चों में दीपावली को लेकर उत्साह, सीहोर में बच्चों ने सेव अर्थ के मैसेज के साथ बनाई सुंदर रंगोली

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले के स्थानीय विद्यालयों में बच्चों ने दिवाली का पर्व बड़े उत्साह और आनंद के साथ मनाया। इस अवसर पर स्कूलों में दीपक सजाओ, रंगोली बनाओ और पटाखे जलाओ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। छात्रों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लेकर स्कूल परिसर को रंग-बिरंगे दीपों और सुंदर सजावट से रोशन कर दिया।

ब्लू बर्ड स्कूल में विशेष दिवाली महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने रंगोली और मिट्टी के दीपों की सजावट प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे स्कूल को आकर्षक रंगीन झिलमिल लाइटों और फूलों से सजाया गया था। छात्राओं ने अपनी शिक्षिकाओं के साथ मिलकर एक बड़ी और मनमोहक रंगोली बनाई, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

कक्षा नर्सरी से लेकर दसवीं तक के विद्यार्थियों ने शिक्षकों की देखरेख में फुलझड़ी, अनार और चक्री जैसे पारंपरिक पटाखे जलाए। बच्चों की खुशी और उत्साह से पूरा माहौल रोशनी और आनंद से भर गया। स्कूल प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा के सभी इंतजाम पहले से ही सुनिश्चित किए थे।

कार्यक्रम के अंत में स्कूल के डायरेक्टर बसंत दसवानी ने बच्चों को दिवाली के महत्व और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दिवाली सिर्फ रोशनी का त्योहार नहीं, बल्कि एकता, प्रेम और हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का अवसर है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे प्रदूषण रहित और सुरक्षित दिवाली मनाएँ।

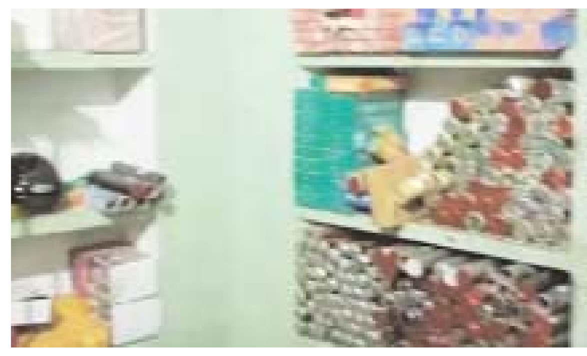

दो लाख के अवैध पटाखे जब्त, सर्किट हाउस के पास मकान सील, बिना लाइसेंस बिक्री की

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर में दीपावली से पहले प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के सर्किट हाउस के पास स्थित एक मकान से करीब दो लाख रुपए मूल्य के अवैध पटाखे जब्त किए हैं। प्रशासन ने मकान को सील कर दिया है।

यह कार्रवाई शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे तहसीलदार पीयूष दीक्षित के नेतृत्व में की गई। सूचना मिलने पर सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद दांगी और पुलिस बल भी मौके पर पहुंचे। टीम ने मकान की तलाशी ली तो वहां बड़ी मात्रा में पटाखे पाए गए।

जांच में सामने आया कि इन पटाखों की बिक्री दीपावली के लिए बिना लाइसेंस के अवैध रूप से की जा रही थी। टीम ने मौके पर ही सभी पटाखों को जब्त कर जिस कमरे में रखा गया था, उसे सील कर दिया।बताया गया कि यह मकान जैन साहब का है, जिसे अंकुर अग्रवाल ने किराए पर लिया हुआ था।

भावांतर योजना : विदिशा में 57 हजार से अधिक किसानों का :जिले में 1.63 लाख हेक्टेयर रकबा दर्ज

विदिशा, एजेंसी। जिले में भावांतर भुगतान योजना के तहत सोयाबीन फसल के लिए कुल 57,649 किसानों ने पंजीयन कराया है। यह पंजीयन 3 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक ई-उपार्जन पोर्टल पर किया गया। इस दौरान जिले में कुल 1,63,151.93 हेक्टेयर क्षेत्र का पंजीयन दर्ज हुआ। जिले में पंजीयन के मामले में बासोदा तहसील पहले स्थान पर रही। यहां 8,958 किसानों ने 26,460.59 हेक्टेयर क्षेत्र का पंजीयन कराया। इसके बाद सिरोंज तहसील में 6,672 किसानों ने 22,957.34 हेक्टेयर और कुरवाई में 6,161 किसानों ने 18,745.84 हेक्टेयर का पंजीयन किया।सबसे कम पंजीयन विदिशा नगर क्षेत्र में दर्ज किया गया।

फीफा रैंकिंग में भारत 136वें स्थान पर खिसका, स्पेन शीर्ष पर

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फुटबॉल टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। पुरुष सीनियर राष्ट्रीय टीम फीफा विश्व रैंकिंग में 136वें स्थान पर खिसक गई है। नवंबर 2016 के बाद से भारतीय टीम का यह सबसे निचला स्थान है।शुक्रवार को जारी नई रैंकिंग ने भारतीय टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। भारतीय टीम 2026 फीफा विश्व कप और 2027 एएफसी एशियाई कप दोनों की दौड़ से बाहर हो गई है। इंटरकांटिनेंटल कप, सैफ चैंपियनशिप और ट्राई-नेशन सीरीज में 2023 की जीत के बाद एक उभरती हुई टीम के रूप में देखी जाने वाली भारत की किस्मत पिछले एक साल में तेजी से गिरी है। इस साल की शुरुआत में कतर में हुए एएफसी एशियन कप में भारत का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। ग्रुप चरण में तीन हार के साथ बिन एक भी गोल किए टीम बाहर हो गई।

इसके बाद से टीम संघर्ष करती रही है। दो साल से कम समय में तीन मुख्य कोच बदल चुके हैं। सबसे पहले इगोर स्टिमैक को बाहर का रास्ता दिखाया गया, उनके बाद मनोलो मार्केज आए। इस साल की शुरुआत में खालिद जमील को जगह दी गई।

जमील के नेतृत्व में प्रगति की झलकियां दिखाई देने के बावजूद, विशेष रूप से सीएएफए नेशंस कप के दौरान, एक मैत्रीपूर्ण टूर्नामेंट जहां भारत ने रणनीतिक सुधार दिखाया, प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में परिणाम निराशाजनक रहे हैं। टीम की किसी प्रतिस्पर्धी मैच में आखिरी जीत लगभग एक साल पहले नवंबर 2023 में कुवैत पर 1-0 की जीत के साथ हुई थी। वैश्विक स्तर पर स्पेन ने फीफा पुरुष रैंकिंग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, जो विश्व कप विजेता अर्जेंटीना और तीसरे स्थान पर मौजूद फ्रांस से आगे है। इंग्लैंड, पुर्तगाल, नीदरलैंड, ब्राजील और बेल्जियम शीर्ष आठ में शामिल हैं।

शॉटगन शूटिंग: जोरावर संधू ने एथेंस विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा का कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। जोरावर सिंह संधू ने 48 साल की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व चैंपियनशिप शॉटगन 2025 में पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। संधू ने ये खिताब अपना पहला सीनियर विश्व खिताब जीतने के 27 साल बाद जीता है।शुक्रवार को ग्रीस के एथेंस स्थित मलाकासा शूटिंग रेंज में निशानेबाजी करते हुए भारतीय निशानेबाज ने बारिश, परछाई और सबसे अनुपयुक्त बिब नंबर को पार करते हुए 50 शॉट के फाइनल में पहले 40 में से 31 निशाने साधे। वह पूर्व ओलंपिक चैंपियन और अब विश्व चैंपियन क्रोएशिया के जोसिप ग्लासनोविक (जिन्होंने 44 हिट के साथ स्वर्ण पदक जीता) और जूनियर विश्व चैंपियन स्पेन के एंड्रेस गार्सिया (जिन्होंने 39 का स्कोर के साथ रजत पदक जीता) से पीछे रहे। मुकाबले के बाद जोरावर संधू ने कहा, यह एक शानदार अनुभव था। शूटिंग के लिए यह एक कठिन रेंज और कठिन परिस्थितियां थीं, लेकिन इसी वजह से हम यहां हैं। मैं अपने परिवार, अपने कोचों और टीम के साथियों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

तीरंदाजी विश्व कप : ज्योति सुरेखा वेन्नम ने भारत को जिताया ब्रॉन्ज मेडल

नई दिल्ली, एजेंसी । विश्व कप फाइनल में शनिवार को भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम ने इतिहास रच दिया है। ज्योति पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाज बन गई हैं।तीसरी वरीयता प्राप्त ज्योति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरी वरीयता प्राप्त एला गिब्सन को 150-145 से शिकस्त दी। उन्होंने सभी 15 तीरों में 10-10 के निशाने लगाए। एशियन गेम्स चैंपियन ज्योति सुरेखा वेन्नम ने क्वार्टर फाइनल में एलेक्सिस रुइज पर 143-140 से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, लेकिन सेमीफाइनल में उन्हें दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी मेक्सिको की एंड्रिया बेसेरा से करीबी मुकाबले में 143-145 से हार का सामना करना पड़ा।

ब्रॉन्ज मेडल मैच में ज्योति ने शानदार वापसी करते हुए लगातार 15 बार 10-10 निशाने लगाए और गिब्सन पर दबदबा बनाते हुए अपने अभियान का शानदार अंत किया।

वर्तमान में महिला कंपाउंड वर्ग में तीसरे स्थान पर काबिज ज्योति ने अपनी वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर नानजिंग में व्यक्तिगत स्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया था।

यह विश्व कप फाइनल में ज्योति की तीसरी मौजूदगी थी। वह इससे पहले ट्लाक्सकाला

(2022) और हर्मोसिलो (2023) में भी हिस्सा ले चुकी हैं।

महिला कंपाउंड वर्ग में एक अन्य भारतीय तीरंदाज मधुरा धामनगांवकर को शुरुआती दौर में मेक्सिको की मारियाना बर्नाल के हाथों 142-145 से हार का सामना करते हुए खिताबी रेस से बाहर होना पड़ा।

इस वर्ष ऑबर्नडेल में कंपाउंड मिक्स्ड टीम खिताब जीतने वाले ऋषभ यादव अब मेंस कंपाउंड इवेंट में नजर आएंगे। वे दिन के बाद होने वाले क्वार्टरफाइनल में साउथ कोरिया के किम जोंगहो का सामना करेंगे।

इस साल की शुरुआत में ऑबर्नडेल में कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट में जीत दर्ज करने वाले ज्योति और ऋषभ यादव ने अपनी-अपनी रैंकिंग के आधार पर नानजिंग में होने वाले इंडिविजुअल इवेंट्स के लिए क्वालीफाई किया है। वर्ल्ड कप फाइनल में हिस्सा लेने वाले सभी तीरंदाजों ने या तो ऑबर्नडेल, शंघाई, अंताल्या और मैड्रिड में हुए चार वर्ल्ड कप चरणों में से किसी एक को जीतकर या फिर वर्ल्ड कप रैंकिंग के आधार पर क्वालीफाई किया है। भारत ने इस वर्ष हुए चारों आर्चरी वर्ल्ड कप चरणों से कुल 14 पदक जीते। इनमें 3 स्वर्ण, 4 रजत और 7 कांस्य शामिल हैं।

लीग-1 : पीएसजी का पलटवार, रोमांचक मुकाबले में स्ट्रासबर्ग को ड्रॉ पर रोका

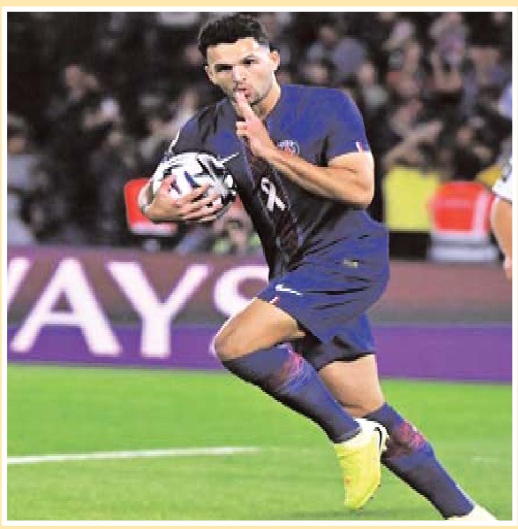

पेरिस, एजेंसी। पेरिस-सेंट जर्मेन (पीएसजी) और स्ट्रासबर्ग के बीच पार्क डेस प्रिंसेस में खेला गया मुकाबला 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इसी के साथ पेरिस-सेंट जर्मेन ने छह गोलों के रोमांचक मुकाबले में एक अंक बचा लिया।पीएसजी ने जोरदार शुरुआत की। मुकाबले के छठे मिनट में ब्रैडली बारकोला के शानदार फिनिश की बदौलत टीम ने 1-0 से बढ़त बना ली। पीएसजी ने शुरुआती 20 मिनट में मैच पर दबदबा बनाए रखा। इस दौरान डूए ने मौके बनाने की कोशिश की, लेकिन बदलाव के दौर से गुजर रही मेहमान टीम सबसे खतरनाक दिखी। जोआकिन पैनिकेल्ली ने लुकास शेवालियर के गोल पर शॉट लगाया, जिससे गेंद की दिशा बदल गई और लेस पेरिसियन्स के शॉट-स्टॉपर को मजबूत बचाव करने पर मजबूर होना पड़ा। रिबाउंड पर, जूलियो एनकिसो ले रेसिंग के लीग 1 स्तर के शॉट को गोल में नहीं बदल सके। स्ट्रासबर्ग और पैनिकेल्ली को ज्यादा देर तक रोका नहीं जा सका। जोआकिन पैनिकेल्ली ने मुकाबले के 26वें मिनट गोल दागा। स्ट्रासबर्ग को ब्रेक के बाद एक और गोल मिला। मोरेरा ने गेंद को पैनिकेल्ली की ओर सरकाकर गोल किया। यह इस सीजन में उनका सातवां गोल रहा। मुकाबले के 49वें मिनट पैनिकेल्ली ने गोल दागते हुए स्ट्रासबर्ग को 3-1 से आगे कर दिया था। इसके बाद 58वें मिनट पीएसजी ने वापसी करते हुए अंतर को 3-2 कर दिया। सेनी मयुलु ने 79वें मिनट मुकाबले का अंतिम गोल दागते हुए स्कोरलाइन को 3-3 कर दिया। इस रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा है। फिलहाल, पीएसजी लीग 1 मैकडॉनल्ड्स में शीर्ष पर बनी हुई है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद स्ट्रासबर्ग से केवल एक अंक आगे है। पीएसजी ने अब तक 5 मुकाबले जीते हैं। टीम 2 ड्रॉ और 1 हार के साथ 17 प्वाइंट्स हासिल कर चुकी है, जबकि स्ट्रासबर्ग ने 5 जीत, 2 हार और 1 ड्रॉ के साथ 16 अंक जुटाए हैं।

रोहित-कोहली वही खिलाड़ी, जिन्हें बचपन में अपना आदर्श मानता था : कप्तान गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्टूबर से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। गिल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे टीम की कमान संभालने जा रहे हैं। कप्तान ने बताया कि वह बचपन से ही रोहित-कोहली को अपना आदर्श मानते थे।शुभमन गिल ऐसी टीम की अगुवाई कर रहे हैं, जिसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे पूर्व कप्तान मौजूद हैं। इसे आगामी वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी में शुरुआती कदम माना जा रहा है, जो साल 2027 में खेला जाएगा। हालांकि, गिल ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि दोनों वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ उनके संबंधों में कोई बदलाव नहीं आया है। कप्तान गिल ने पर्थ में खेले जाने वाले पहले वनडे की पूर्व संध्या पर कहा, मुझे लगता है कि बाहर की कहानी अलग है, लेकिन हमारे बीच कुछ भी नहीं बदला है। सब कुछ पहले जैसा ही है। यह बहुत मददगार है।

26 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, जो कुछ भी वे महसूस करते हैं, उनका अनुभव, जो कुछ भी उन्होंने सीखा है, चाहे वह पिच को पढ़ना हो या किसी भी स्थिति का सामना करना, मैं उनके पास जाता हूं और पूछता हूं कि वे क्या सोचते हैं। अगर वे मेरी जगह होते तो वे इसे कैसे करते? फिर, अपने खेल की समझ के आधार पर फैसला लेता हूं। मुझे लोगों के विचार जानना पसंद है।

उन्होंने कहा, जब भी मुझे किसी चीज को लेकर कोई संदेह होता है, मैं उनके पास जाता हूं। उनके सुझाव लेता हूं। उनकी सलाह लेता हूं। वे मुझे कुछ भी बताने में कभी नहीं हिचकिचाते। मुझे लगता है कि यही अनुभव का असली खजाना है।

उन्होंने कहा, ये वही खिलाड़ी हैं, जिन्हें मैं बचपन में अपना आदर्श मानता था। उनकी जिस तरह की भूख ने मुझे प्रेरित किया, उससे मुझे प्रेरणा मिली। क्रिकेट के ऐसे दिग्गजों का नेतृत्व करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे यकीन है कि इस सीरीज में ऐसे कई पल आएंगे, जहां मैं उनसे सीख पाऊंगा। अगर मैं किसी मुश्किल स्थिति में आ जाऊं, तो उनसे सलाह लेने से नहीं हिचकिचाऊंगा।

गिल ने कहा, टीम को कैसे आगे बढ़ाया जाए, इस पर रोहित और विराट दोनों के साथ मेरी कई बार बातचीत हुई है। मुझे लगता है कि ये सीख और अनुभव हमारी टीम को आगे बढ़ने में मदद करेंगे।

किरण नवगिरे ने रचा इतिहास, महिला टी20 का सबसे तेज शतक लगाया

नागपुर,। भारतीय टीम और महाराष्ट्र की सलामी बल्लेबाज किरण नवगिरे ने इतिहास रच दिया है। नवगिरे ने महिला टी20 में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। शुक्रवार को महिला टी20 ट्रॉफी में नवगिरे ने 34 गेंद पर शतक लगाया।शुक्रवार को महिला टी20 ट्रॉफी में नवगिरे ने 34 गेंदों में शतक लगाया और 35 गेंदों पर 106 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। नवगिरे का शतक 300 से अधिक स्ट्राइक रेट वाली एकमात्र महिला टी20 शतक है। इस पारी की बदौलत महाराष्ट्र ने नागपुर में पंजाब को आठ ओवर पहले ही हरा दिया। पूर्व में महिला टी20 का सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन के नाम था। डिवाइन ने जनवरी 2021 में ओटागो के खिलाफ वेलिंगटन के लिए 36 गेंदों पर शतक लगाया था। उस पारी में डिवाइन ने 38 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए थे। नवगिरे के सामने पंजाब की गेंदबाज बेहद साधारण और असहाय नजर आईं। नवगिरे की आक्रामकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दूसरे विकेट के लिए मुक्ता नागरे के साथ उन्होंने 103 रन की नाबाद साझेदारी की। इसमें मुक्ता के सिर्फ 6 रन थे। नवगिरे ने अपनी पारी में 14 चौके और सात छक्के जड़े। पुणे से लगभग 200 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के मिरे की रहने वाली नवगिरे ने पहली बार महिला टी20 ट्रॉफी के 2022 संस्करण के दौरान सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था, जब उन्होंने नागालैंड के लिए 35 छक्के लगाए थे। वह अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 76 गेंदों में 162 रनों की पारी के दौरान महिला टी20 मैच में 150 से अधिक का स्कोर बनाने वाली पहली भारतीय भी बनीं। बड़े शॉट लगाने की क्षमता ने गी नवगिरे को 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ चेस्टर ली-स्ट्रीट में भारत के लिए पदार्पण का मौका दिलाया था। अक्टूबर 2022 में खेले गए महिला एशिया कप के बाद से उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली है। वह भारत के लिए छह मैच खेल चुकी हैं। विमेंस प्रीमियर लीग में वह यूपी वॉरियर्स के लिए खेलती हैं और तीन सीजन की 24 पारियों में 419 रन बना चुकी हैं। नवगिरे भविष्य में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी की तरह बनना चाहती हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे मैचों में सर्वाधिक विकेट लेने वाले टॉप-5 गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे इतिहास की शुरुआत साल 1980 में हुई थी। अब तक दोनों देशों के बीच कुल 152 वनडे मैच खेले गए हैं, जिसमें सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाले 5 खिलाड़ियों में दो भारतीय हैं।भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे क्रिकेट में अब तक सिर्फ पांच ही गेंदबाज 40+ विकेट हासिल कर सके हैं। आइए, लिस्ट में शामिल उन पांच गेंदबाजों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट हासिल किए हैं। ब्रेट ली - साल 2000 से 2012 के बीच ऑस्ट्रेलिया के इस दिग्गज तेज गेंदबाज ने कुल 32 मुकाबलों की 30 पारियों में 257.1 ओवर फेंके, जिसमें 21

की औसत के साथ 55 विकेट हासिल किए। इस दौरान ली ने भारत के विरुद्ध चार बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट हासिल किए।

कपिल देव: भारत को बतौर कप्तान वनडे विश्व कप खिताब जिताने वाले कपिल देव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ साल 1980 से 1994 के बीच 41 मुकाबलों में कुल 338.4 ओवर फेंके, जिसमें 45 विकेट हासिल किए। इंग्लैंड के खिलाफ कपिल देव का सर्वश्रेष्ठ 43/5 रहा।

मिचेल जॉनसन: इस ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने साल 2006 से 2015 के बीच 220.3 ओवरों में कुल 43 विकेट हासिल किए। इस दौरान जॉनसन ने एक बार पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा भी किया।

मैग्नस कार्लसन ने दी टोटल वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप को हरी झंडी, शतरंज में होगा नया फॉर्मेट शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। नॉर्वे के पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने टोटल वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप को अपना समर्थन दिया है, जो शतरंज की दुनिया में अलग-अलग समय नियंत्रणों को मिलाकर आयोजित की जाएगी।

हालांकि इस नए फॉर्मेट की योजना की कुछ शीर्ष खिलाड़ियों द्वारा आलोचना की गई है, कार्लसन ने इसे शतरंज के विकास की दिशा में सोच-समझकर उठाया गया कदम बताया।

नया फॉर्मेट : तीन समय नियंत्रण- यह चैम्पियनशिप तीन अलग-अलग समय नियंत्रणों में आयोजित होगी

फास्ट क्लासिकल : 45 मिनट प्रति खिलाड़ी + 30 सेकंड इंक्रीमेंट, जो FIDE के नियमों के तहत क्लासिकल रेटेड गेम में गिने जाएंगे। कार्लसन के अनुसार, कई फॉर्मेट को एक ही खिताब के तहत लाने से खिलाड़ियों की क्षमताओं का व्यापक मूल्यांकन होगा। यह नए समय नियंत्रण आज के खिलाड़ियों और दर्शकों के अनुकूल हैं।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप:

तन्वी शर्मा 17 साल में पदक पक्का करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं

गुवाहाटी, एजेंसी। तन्वी शर्मा 17 साल में 2025 बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में पदक पक्का करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई। उन्होंने शुक्रवार को नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में जापान की साकी मात्सुमोतो को हराकर लड़कियों के एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया।16 वर्षीय तन्वी ने दबाव में भी अपना संयम बनाए रखा और अपने क्रॉस-कोर्ट स्लाइस हिट्स से विजयी गोल दागे और 47 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मात्सुमोतो को 13-15, 15-9, 15-10 से हराया। इस क्वार्टर फाइनल ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। विश्व जूनियर पदक जीतने वाली आखिरी भारतीय महिला खिलाड़ी साइना नेहवाल थीं, जिन्होंने 2008 में पुणे में हुए टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता था। साइना, जिन्होंने 2006 में रजत पदक जीता था, और अपर्णा पोपट (1996 रजत) प्रतियोगिता के इतिहास में पोडियम पर पहुंचने वाली एकमात्र अन्य भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त तन्वी, जिन्होंने इस

साल की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता था, ने आक्रामक शुरुआत की और ऐसा लग रहा था कि वह नियंत्रण में हैं क्योंकि उन्होंने 10-6 की बढ़त बना ली थी। लेकिन गलतियों की झड़ी ने मात्सुमोतो को वापसी करने का मौका दिया और जापानी खिलाड़ी ने लगातार सात अंक जीतकर बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी ने बढ़त तो बना ली, लेकिन गेम हारने से नहीं बच सकीं।

यूएस ओपन की फाइनलिस्ट दूसरे गेम में अपने शॉट चयन को लेकर ज्यादा सहज थीं और उन्होंने 15-9 से जीत हासिल की। हालांकि, तीसरे गेम की शुरुआत में गलतियों ने उन्हें एक बार फिर पीछे धकेल दिया और उन्हें मुकाबला गंवाना पड़ा। तन्वी का अगला मुकाबला चीन की लियू सी या से होगा। चीनी खिलाड़ी ने दूसरे क्वार्टर फाइनल में श्रीलंका की रानीथमा लियानागे को 15-9, 15-6 से हराया।

भारतीय महिला टीम के लिए करो या मरो की जंग, इंदौर में इंग्लैंड से होगी टक्कर

इंदौर, एजेंसी। आईसीसी महिला विश्व कप 2025 अपने रोमांचक चरण में पहुंच चुका है और अब भारतीय महिला टीम के सामने करो या मरो की स्थिति है। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में टीम इंडिया 19 अक्टूबर को इंग्लैंड से भिड़ेगी। लगातार दो हार के बाद भारत की सेमीफाइनल उम्मीदें अधर में लटकी हैं, लेकिन घरेलू दर्शकों का जोश और इंदौर की स्पिन-अनुकूल पिच टीम को वापसी का मौका दे सकती है।

पिछले मैच में भारत को ऑस्ट्रेलिया से 3 विकेट से करीबी हार झेलनी पड़ी थी। ओपनर स्मृति मंधाना और युवा प्रतीका रावल ने 155 रनों की शानदार साझेदारी की थी, लेकिन मध्यक्रम बिखर गया। इस बार टीम को कप्तान हरमनप्रीत, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद है।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्पिन जोड़ी – दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा – होंगी। होलकर स्टेडियम की पिच गेंद को टर्न देती है, और जैसे-जैसे दिन बढ़ेगा, बल्लेबाजी और मुश्किल होगी। ऐसे में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को बड़ा स्कोर बनाना होगा।

इंग्लैंड की टीम अब तक टूर्नामेंट में अजेय रही है, लेकिन उसका मध्यक्रम थोड़ा अस्थिर दिखा है। अगर भारत के स्पिनर लय में आए और मंधाना-रावल की जोड़ी फिर चमकी, तो भारत की वापसी तय है। होलकर में रिकॉर्ड भी भारत के पक्ष में हैं – यहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को फायदा हुआ है। ऐसे में टॉस का महत्व बढ़ जाएगा। भारत के पास दर्शकों का साथ है, और यही ऊर्जा इस मुकाबले को यादगार बना सकती है।

भारतीय टीम की संभावित प्लेइंग इलेवन- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतीका रावल, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, श्री चरणी।

इंग्लैंड टीम की संभावित प्लेइंग इलेवन: नैट शिवर-ब्रंट (कप्तान), टैमी ब्यूमोंट, एमी जोन्स (विकेटकीपर), हीथर नाइट, सोफिया डंकले, एलिस कैप्सी, चार्लोट डीन, सोफी एक्लेस्टोन, सारा ग्लेन, एम्मा लैम्ब, लिंसे स्मिथ।